RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अब तक की सबसे बड़ी खोज यह है कि व्यक्ति महज अपना दृष्टिकोण बदल कर अपना भविष्य बदल सकता है!

स्वामी विवेकानंद जी

वर्ष-05, अंक - 16 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 19 जनवरी 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

जनता का मूड जानेगी भाजपा की शिवराज सरकार

भोपाल।

विधानसभा चुनावों को देखते हुए राज्य सरकार ने लोगों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए 'विकास यात्रा' की शुरुआत करने जा रही है, यात्रा 15 दिनों की रहेगी। यात्रा में सरकार के प्रतिनिधि लोगों से मिलेंगे और उनके क्षेत्र में किए गए कार्य का सुझाव मांगेंगे। एक फरवरी से शुरू होने वाली इस विकास यात्रा के लिए जिला कलेक्टरों को सारे इंतजाम करने का आदेश दे दिया गया है। यह यात्रा 15 फरवरी तक राज्य के सभी जिलों में जारी रहेगी। इस दौरान किसी नई योजना की शुरुआत करने के बजाय लोगों से सरकार की योजनाओं पर फीडबैक मांगा जाएगा।

ये रहेगा प्लान...

एक फरवरी से शुरू हो रही विकास यात्रा राज्य के गांवों के साथ-साथ शहरों में भी चलेगी। इस दौरान सरकार के प्रतिनिधि सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाएंगे और नए विकास कार्यों की आधारशिला भी रखी जाएगी। इस यात्रा में जाने-माने लोग हिस्सा लेंगे। यात्रा में हिस्सा लेने वालों में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, चुने हुए प्रतिनिधि, वालंटियर के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने वाले भी शामिल रहेंगे। यात्राओं के रूट का निर्धारण जिला कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। यात्रा कहां से शुरू होगी और कहां तक जाएगी ये सब निश्चित होगा।

यात्रा के दौरान विकास यात्री सरकारी कार्यालयों में जाएंगे। यात्रा के लिए जन अभियान परिषद बनाई गई है, जो राज्य में यात्रा के लिए एक नोडल एजेंसी की तरह काम करेगी। हर यात्रा के लिए डीएम एक डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज की नियुक्ति भी करेंगे जो हर रोज सुबह से लेकर शाम तक रहेंगे।

सीएम हेल्पलाइन पार्टल पर यात्रा की पूरी डिटेल अपलोड कर दी जाएगी। भोपाल में शीर्ष अधिकारियों द्वारा इस यात्रा की मॉनिटरिंग की जाएगी। इस दौरान अलग-अलग कार्यों के लिए लोगों से मिले आवेदन, भूमि पूजन सभी का विवरण सीएम हेल्पलाइन पर अपलोड कर दिया जाएगा। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान भी इस यात्रा में समय-समय पर जुड़ते रहेंगे।

पंजाब से भारत जोड़ो यात्रा के निकलते ही नेता निकले पार्टी से

चंडीगढ़।

पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल ने इस्तीफा दे दिया है। दो दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो' यात्रा पंजाब से गुजरी है। खास बात है कि, यात्रा से बादल की गैरमौजूदगी ने भी सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज कर दी थी। प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और बादल के बीच खींचतान की खबरें आती रही हैं।

बादल ने अपने इस्तीफे में शीर्ष नेताओं पर गुटबाजी के आरोप लगाए हैं। राहुल गांधी को लिखे पत्र में उन्होंने बताया है कि, दिल्ली के लोग पंजाब को चला रहे हैं और गुटबाजी केवल बढ़ी है। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाए हैं कि, पंजाब कांग्रेस में उन्हें अपमानित किया गया है। पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल के भतीजे मनप्रीत, पांच बार के विधायक हैं और दो बार पंजाब के वित्त मंत्री रह चुके हैं।

पत्र में आरोप लगाए हैं कि, जिस तरह से पंजाब के मामले में कांग्रेस ने फैसले लिए हैं, वे निराशाजनक हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि, दिल्ली में बैठे कुछ लोगों के समूह ने राज्य में गुटबाजी को बढ़ाने का काम किया है। शिरोमणि अकाली दल से निष्कासित होने के बाद उन्होंने पीपुल्स पार्टी ऑफ पंजाब गठित कर ली थी, जिसका बाद में कांग्रेस के साथ विलय हो गया।

दिग्गज हुए भाजपा में शामिल

सूत्रों के अनुसार, बादल भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के पंजाब प्रमुख रह चुके सुनील जाखड़ ने भी भाजपा का दामन थाम लिया था। बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। कहा जा रहा था कि, नवजोत सिंह सिद्धू और पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच तनातनी हार की बड़ी वजह बनी थी।

राज्यपाल ने दी सफाई, मैंने नहीं दिया तमिलनाडु का नाम बदलने का सुझाव

चेन्नई।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने बुधवार को स्पष्ट करते हुए कहा कि, उन्होंने राज्य का नाम बदलने का सुझाव नहीं दिया था। यह कहना 'गलत और दूर की कौड़ी' है कि, मैंने 'तमिझगम' पर अपनी हालिया टिप्पणियों के साथ राज्य का नाम बदलने का सुझाव दिया था।

अपनी विवादास्पद टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए, राज्यपाल रवि ने कहा कि लोगों ने उनके भाषण के आधार को ''बिना समझे'' इस तरह के आरोप लगाए।

बता दें कि, 4 जनवरी को चेन्नई के राजभवन में आयोजित काशी तमिल संगमम के आयोजकों और स्वयंसेवकों को सम्मानित करने वाले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, रवि ने कथित तौर पर विवादास्पद टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि, 'तमिझगम' शब्द तमिलनाडु के लिए अधिक उपयुक्त शब्द है। संविधान द्वारा अप्रूव (तमिलनाडु) नाम के अलावा किसी अन्य नाम का इस्तेमाल करने को लेकर राज्यपाल की खूब आलोचना हुई थी। रिपोर्टों के मुताबिक, तमिल साहित्य में दोनों शब्दों का उल्लेख मिलता है, लेकिन तमिलनाडु को स्वीकार किया गया जबकि तमिझगम का विरोध किया जाता रहा है।

मामले को तूल पकड़ता देख राज्यपाल ने एक पत्र जारी कर अब सफाई दी है। उन्होंने पत्र में कहा, 4 जनवरी को राजभवन में काशी-तमिल संगमम के स्वयंसेवकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में ऐतिहासिक सांस्कृतिक जुड़ाव पर विचार करते हुए, मैंने 'तमिझगम' का उल्लेख किया। क्योंकि यह इतिहास से जुड़ा मामला था और उस समय कोई तमिलनाडु नहीं था। इसलिए, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संदर्भ में, मैंने 'तमिझगम' का उल्लेख किया था।

उन्होंने कहा कि इस तरह का अनुमान लगाना यह तमिलनाडु का नाम बदलने का सुझाव था, तो यह पूरी तरह से ''गलत और दूर की कौड़ी'' है। रवि ने आगे कहा, मेरे भाषण के आधार को समझे बिना, यह तर्क कि राज्यपाल 'तमिलनाडु' शब्द के खिलाफ हैं, चर्चा का विषय बन गया है। इसलिए, मैं इसे खत्म करने के लिए स्पष्टीकरण दे रहा हूं।

गड्ढे के कारण ट्रक के पीछे घुसी कार, ली दो की जान, गाड़ी मालिक बचा बाल- बाल

माही की गूंज, करवड।

रतलाम जिले से सटे ग्राम भाभरापाड़ा निवासी राहुल पिता कैलाश गुर्जर (20) के साथ भाभरापाड़ा का ही निवासी राजू बुवारसिंग गामड़ के साथ एक अन्य व्यक्ति एमपी 09 सीजी 4170 कार से रानीसिंग से रावटी मार्ग पर ग्राम कुमारिया तक एक साथी को छोड़ने जा रहे थे कि, रानीसिंग में ही झाबुआ-रतलाम मार्ग पर आगे-आगे ट्रक चल रहा था जबकि गड्ढे के कारण ट्रक की स्पीड एकदम धीमी हो गई थी, वही पीछे से कार चालक राहुल कार से आ रहा था कि, कार की स्पीड तेज होने के चलते कार सीधी ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गई। दुर्घटना इतनी खतरनाक थी कि, मौके पर ही चालक राहुल गुर्जर व साइड में बैठा राजू गामड़ की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पीछे सीट पर बैठे कुमारिया निवासी जख्मी हो गया। उक्त दुर्घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है

ट्रक के पिछे घुसी कार दो की मौत।

दुर्घटना में जख्मी हुआ युवक।

कुछ प्रत्यक्षदर्शी उक्त दुर्घटना को देखकर अचंभित हो गए, तो कुछ राहगीर व स्थानीय रहवासी दुर्घटना की आवाज सुन व देखकर दुर्घटना स्थल पहुंचे और घायल व्यक्ति को कार से बाहर निकाला तथा दुर्घटना की सूचना रावटी पुलिस को दी गई।

घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचने के बाद घायल को उपचार हेतु तत्काल भेजा गया तत्पश्चात ट्रक के नीचे फंसी कार को बड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया।

बताया जा रहा है कि, उक्त कार रानीसिंग की ही है, गाड़ी मालिक वीरेंद्र सिंह पंवार अपने किसी निजी कार्य से भाभरापाड़ा गए थे, चूंकि वापसी में राहुल, राजू व अन्य एक साथी भी उनके साथ आए। रानीसिंग में वीरेंद्र राठौर के घर पहुंचे और राहुल और राजू ने अपने साथी को ग्राम कुमारीया तक छोड़ने हेतु कार विरेन्द्र सिंह से मांग कर ले गए और उक्त दुर्घटना में दो की मौत हो गई। वहीं गाड़ी मालिक वीरेंद्र अपने घर पर उतर जाने से बाल-बाल बच गए।

आप होते तो ऐसा नहीं होता...?

माही की गूंज, झाबुआ।

पत्रकारिता अब विश्वसनीय नहीं रही, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के मीडिया घराने तो बहुत पहले ही व्यवसायिक मानसिकता अपना चुके है। किंतु अब निचले स्तर की पत्रकारिता की निष्पक्षता पर भी प्रश्न चिन्ह लग चुके है। माफियाओं, भ्रष्टाचारियों की करतूतों के विरूद्ध कोई कहने-सुनने वाला जिले में नही है तो कई पीड़ितों, शोषितों, उपहासितों आदि की आवाज बूलंद करने हेतु पत्रकारिता, गांधी का आशीर्वाद मांगने में नही कतराती है। हालांकि कथित पत्रकारिता का जिले में नाम तो है किंतु विश्वसनीयता बनाने में असमर्थ भी है। शायद इसीलिये जिले में अब जंगलराज सा लगने लगा है। आपकी कलम से निश्चित ही माफियाओं, भ्रष्टाचारियों, जनप्रतिनिधियों, नेताओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित हर वो व्यक्ति जो आपराधिक श्रेणियों से जुड़ा हुआ है, के मन में भय था तो पत्रकारिता भी अपने कर्तव्य भूलने पर कांपने लगती थी। किंतु अब जिले में अपराध भी निर्भिक रूप से होने से लगे तो पत्रकारिता अपने पथ से भटक चुकी है। यह सब आपकी अनुपस्थिति में हो पाया, आप होते तो ऐसा नही होता...।

ग्रामीण पत्रकारिता अब संरक्षणविहीन सी लगने लगी है। आपके द्वारा जिले में खड़ा किया संगठन ग्रामीण पत्रकारिता के हीतों के लिये संघर्षरत है। अभावों के मध्य से भी आपके सिद्धांतों पर ग्रामीण पत्रकारिता वर्तमान में चलने के प्रयास कर रही है किंतु पत्रकारिता में अब माफियाओं की बाढ़ आ गई है तो कई व्यवसाईयों ने अपने नाम के आगे पत्रकार लगा लिया है। स्थिति तो यह है कि, कई शासकीय सेवक अन्य नामों से पत्रकारिता कर रहे है तो कई उठाईगिरे भी अपने आपको पत्रकार बताते हुए यहां-वहां मुंह मार रहे है। अदने से पत्रकार अपने आपको भीष्म पीतामाह प्रचारित कर भांजगड़ी करते फिर रहे है। माफियाओं को अपने संबंधों के बूते बचाने के प्रयास कर रहे है तो पुलिस व प्रशासन को चमकाने से भी बाज नही आ रहे। पत्रकारिता बेलगाम हो चली है, आप होते तो ऐसा नही होता...।

जनप्रतिनिधियों की स्थिति भी दयनीय है। मनचलों को पार्टीयां बड़े दायित्व न सिर्फ दे रही अपितु सिर पर भी बैठाए रख रही है। और तो और ऐसा दायित्व प्राप्त करने वाले जमकर उगरानी कर रहे है। इसके विपरित गर्त में जा चुके पार्टीयों के निष्ठावान कार्यकर्ताओं का पक्ष रखने वाला कोई नहीं है। जोड़-तोड़ खरीद-फरोख्त सरेआम होने लगी है तो रावणराज की भांति हर कोई अपना डंडा चला रहा है। उठाईगिरों को दायित्व मिलने के बाद जमकर उगरानी, कमीशनखोरी कर रहे है। उच्च पदों पर विराजमानों ने राजनैतिक कर्तव्यों को त्याग, मनमानी प्रारंभ कर दी है। स्थिति यह है कि, कई मामलों में राजनैतिको से मीडिया भी भयभीत होने लगी है। राजनीति इन दिनों इतनी हावी है कि मारने-कुटने ही नहीं अपितु उलझाने, एकत्र होकर चमकाने, धमकाने की स्थितियां भी बनने लगी है। आप होते तो शायद जिले में ऐसा नहीं होता...।

प्रेरणा स्त्रोत स्व. श्री यशवंत जी घोड़ावत दादा

निष्पक्ष, निर्भिक, पत्रकारिता का उदाहरण, पत्रकारिता के भीष्म पीतामाह, चलता-फिरता पत्रकारिता का महाविद्यालय, जिले की पत्रकारिता हेतु तन, मन, धन से समर्पित ऐसे आदरणीय स्व. यशवंत जी घोड़ावत ''दादा'' की हम 9 वीं पूण्यतिथि मना रहे है। पत्रकारिता के प्रति अपना जीवन समर्पण करने वाले ''दादा'' ने सतत् ग्रामीण पत्रकारिता के हीतों के लिये आवाज उठाई। ग्रामीण पत्रकारिता को न सिर्फ संरक्षण दिया अपितु संगठित कर पत्रकारों की संख्या में वृद्धि की। दादा के इन्ही प्रयासों से वर्तमान में भी ग्रामीण पत्रकारिता में दिग्गजों की भरमार है जो समय आने पर तंत्र व सत्ता की जड़े हिलाने में सक्षम है।

आपकी गैर मौजूदगी ने जिले के कई वरिष्ठ पत्रकारों के दिलों को तोड़ सा दिया है। आपकी कलम से लय मिलाते हुए जिनकी कलम आग उगलती दिखाई पड़ती थी, वह अब ठंडी पड़ चुकी है या गुलामी की जंजीरों में जकड़ चुकी है। कईयों ने तो अपनी कलम को जैसे विराम ही दे दिया। ऐसे वरिष्ठ पत्रकार अब केवल आपके साथ बीताए पलों को याद करते और कनिष्ठ पत्रकारों को आपके साथ बिताए पलों की कहानियां भर सुनाते नजर आते है। जिले को वरिष्ठों की ये एक कमी जो मिली है वह भविष्य में शायद कभी पूरी हो जाए, लेकिन वर्तमान स्थितियां यह बताती है कि, इसमें बहुत ज्यादा समय लगने वाला है। आप होते तो शायद जिले में ऐसा नहीं होता...।

आपके जाने के बाद बरस दर बरस बीतते गए समय अपनी रफ्तार के साथ चलता रहा। मगर बावजूद इसके आपके कुछ शिष्य अब भी अपनी कलम को उठाए मैदान में डटे हुए है, संघर्ष कर रहे है। ये आप ही का आशिर्वाद है जो उन्हे इस संघर्ष से पार पाने का हौंसला देता है। प्रशासनिक, राजनीतिक और तमाम तरह के दबावों के बावजूद वे अपना लोहा मनवा रहे है। इस दौर में जबकि पत्रकारिता का पूर्ण रूप से व्यवसायिकरण हो चुका है, आम जनता की कोई सुनने वाला नहीं बचा है, इन हालातों का सामना करते व आपके गुणगाान करते हुए अपना सफर जारी रखे हुए है। पत्रकारों के बीच विभिषणों की मौजूदगी भी कई बार पत्रकारिता में बाधा डालती नजर आती है, मुद्दों को भटकाते हुए सत्य को दबाने में पत्रकारिता के यह विभिषण हमेशा पहली पंक्ति में खड़े नजर आते है। इसके परिणाम कुछ यूं सामने आते कि, सत्य को उल्टे चश्में के साथ परोस कर आमजन को गुमराह किया जाता है। भ्रष्टों और माफियाओं का साथ देने वाले विभिषण अपनी व्यवसायिक पत्रकारिता को सर अंजाम देते हुए आमजन के गले नख देते भी दिखाई पड़ रहे है। आपकी राह पर चलने वालों को हर तरफ से संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। मगर वे अब भी आपको साक्षी मानकर इस चक्रव्यूह को तोड़ने में अर्जुन की तरह लगातार संघर्ष कर रहे है। इस चक्रव्यूह को भेदना आसान तो नहीं है, परिणाम भी पता नहीं है। अगर सफल हुए तो जिले की तस्वीर बदल सकते है, लेकिन विफलता का संदेह भी मन को कमजोर करता है। अगर आप होते तो शायद जिले में ऐसा नहीं होता...।

मगर अब भी मन को यह यकीन है कि, आप हमारे साथ ही है। हर दम हमारी मदद करते है। जिले में चल रही आपके शिष्यों की कलम के पीछे आप ही नजर आते है। इसी सोच के साथ हम जिले में प्रशासनिक भ्रष्टाचार, राजनीतिक करतूतों और माफियाओं की कारस्तानी के खिलाफ आवाज बुलंद करते चले जाते है। हम आगे भी यूं ही आपके आशिर्वाद से जिले में हो रहे अन्याय की नाक में दम करते रहेंगे। आपके बाताए हुए रास्ते पर चलकर पैनी कलम के साथ प्रतिभाओं का सम्मान भी कर रहे है। हम आपकी 9 वीं पुण्यतिथि मनाते हुए ईश्वर से यह प्रार्थना करते है कि, आप हमेशा हमारे साथ हमारी लेखनी में रहे और हमें हमेशा अपना आशिर्वाद प्रदान करते रहे और हम अपने कर्तव्य पथ पर इसी तरह बिना डग मगाए चलते रहे।

गुणावद चुनाव में लापरवाही करने वाले पीठासीन अधिकारी व एक अन्य कर्मचारी (शिक्षक) निलंबित

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत गुणावद के सरपंच को लेकर हुए फैसले के बाद चुनाव के दौरान लापरवाही करने वाले दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेटलावद के प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 में विका पेटलावद की ग्राम पंचायत गुणावद के सरपंच पद

का दिनांक 25 जून 2022 को निर्वाचन संपन्न हुआ। ग्राम पंचायत गुणावद विकासखण्ड पेटलावद के मतदान केन्द्र क्रमांक 31 गुलाब पर गोविन्दसिंह मामर, सहायक शिक्षक, संकुल केन्द्र कन्या उ.मा.वि.पेटलावद की ड्यूटी पीठासीन अधिकारी के रूप में लगाई गई थी। याचिकाकर्ता गमना पिता बगदीराम भाभर निवासी ग्राम गुणावद द्वारा म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 122 के तहत ग्राम पंचायत गुणावद के सरपंच पद के निर्वाचन के विरुद्ध न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेटलावद में याचिका प्रस्तुत की गई। प्रस्तुत याचिका प्रकरण क्रमांक 0001/सी-144/2022-23 में जवाब हेतु गोविन्दसिंह भाभर, सहायक शिक्षक, संकुल केन्द्र कन्या उ.मा.वि. पेटलावद को आहुत किया गया। गोविंद सिंह भामर एवं अन्य मतदान अधिकारी कमांक 1 महेश बामनिया, सहायक अध्यापक, संकुल केन्द्र उ.मा.वि. बोल्यवाह विकासखण्ड रानापुर के द्वारा दिनांक 8 अगस्त 2022 को प्रस्तुत संयुक्त जवाब में गणना पर्ची में अभ्यर्थियों को प्राप्त मतों की संख्या अभिलिखित किए जाने में त्रुटि होना स्वीकार किया गया है। गोविन्दसिंह भाभर, सहायक शिक्षक, संकुल केन्द्र कन्या उ.मा.वि. पेटलावद द्वारा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में घोर लापरवाही की जाकर म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। उक्त लापरवाही के फलस्वरूप गोविन्दसिंह भाभर, सहायक शिक्षक, संकुल केन्द्र कन्या उ.मा.वि. पेटलावद को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत् तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया हैं।

नायाब साहब लोग परेशान हैं और आप ऑफिस में कागज के घोड़े दौड़ा रहे हैं

10 माह से अतिक्रमण की शिकायत का नहीं हुआ निराकरण, पैसा एक्ट कब काम आएगा

माही की गूंज ,पेटलावद।

कहा जा रहा है ग्राम पंचायत अपने गाँव के निर्णय ग्राम सभा मे बैठ कर लेगी वो सर्वमान्य माने जाएंगे ऊपर से पैसा एक्ट लागू किया गया और समितियों का गठन कर छोटे मोटे वाद विवाद गाँव स्तर पर ही निपटाने की बात कही गई लेकिन यहां ऐसा कुछ दिखता नही ग्राम स्तर पर निराकरण तो दूर पैसा एक्ट की जानकारी का ढोंग करने वाला प्रशासन विवादों में मौके पर जाकर पैसा एक्ट के महत्त्व तक नही बता पा रहा। ग्राम महुडीपाड़ा कला के निवासी रालु मुनिया,हेमराज मुनिया और मोती मुनिया ने 12.05.2022 को ठप्पा तहसील न्यायालय सारंगी में शिकायत कर बताया कि सुरजी मुनिया द्वारा आम रास्ते पर अतिक्रमण कर कच्चा निर्माण कर टापरी बना ली जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया है और खेती के लिए आना जाना नही कर पा रहे हैं , शिकायतकर्ताओ ने इस मामले में चार बार शिकायत की बाद में ग्राम पंचायत द्वारा अतिक्रमण की पुष्टि कर ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुवे दिनांक 23.12.2022 की ग्राम सभा मे प्रस्ताव ठहराव कर अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव पारित करती है लेकिन शिकायत और प्रस्ताव-ठहराव के बाद अतिक्रमण नही हट सका और लोग परेशान हो रहे हैं।

लोग परेशान हैं और ऑफिस में कागज के घोड़े दौड़ा रहे हैं

शिकायतकर्ता रालु, हेमराज आदि ने बताया कि हमने नायाब तहसीलदार साहब के सामने चार बार शिकायत कर दी और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव ठहराव की प्रति भी दी लेकिन शिकायत का निराकरण नही हुवा उल्टा शिकायत के बाद विपक्षी तारिक पर नही आया ओर हम शिकायतकर्ता सहित परेशान ग्रामीण हर तारिक पर किसी आरोपी की तरह तारीख पर गए। शिकायत के बाद नायाब मेडम जो कि तेजतर्रार मानी जाती है लेकिन इस मामले में अपने ऑफिस से कागजी घोड़े दौड़ती रही

मौके पर नपती करता राजस्व दल।

और कोई कार्यवाही नही की गई और आज तक शिकायत का निराकरण नही हो पाया ।

11 जनवरी को नपती की और अतिक्रमण हटाने का मौखिक दिया आदेश

मामले में नायाब तहसीलदार द्वारा पटवारी गिरदावर को मौके पर जांच के लिए भेजा गया जहां नपती में भूमि पर अतिक्रमण पाया गया और अतिक्रमणकर्ता को तीन दिन में अतिक्रमण हटाने के मौखिक आदेश देकर चले गए, इस दौरान पटवारी द्वारा मौका पंचनामा बना गया जिंसमे सिर्फ शिकायत के बारे में बताया गया न नपती के लिए उपस्थित दल का उल्लेख न ही नपती के बाद मौका स्थल पर क्या पाया गया उसका उल्लेख किया गया । शिकायतकर्ताओ का कहना है कि तीन दिन बाद अतिक्रमण नही हटा ति हमने गिरदावर साहब से पूछा तो उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकर्ता के पास दो और मकान है वो भी अतिक्रमण में उनके साथ ये हटाया जाएगा। गिरदावर के गोलमाल जबाब से पता चलता है कही न कही अतिक्रमणकर्ता से साठ गांठ की गई हैं।

आने जाने में परेशानी नही कर पा रहे खेती

शिकायत और ग्राम पंचायत के प्रस्ताव ठहराव से साफ है कि अतिक्रमण से लोगो को परेशानी हो रही है , अतिक्रमण की शुरुआत होने के बाद से परेशान ग्रामीण शिकायत कर रहे हैं जिसके बाद भी अतिक्रमण नही रुका अब रास्ता बंद होने से कई ग्रामीण खेती कार्य नही कर पा रहे हैं । प्रशासन अतिक्रमण को लेकर दोहरा रवैया रखती हैं एक और बिना जांच पड़ताल के ताबड़तोड़ में अतिक्रमण हटाने पहुँच जाता है तो दूसरी ओर अतिक्रमण से परेशानी उठा रहे लोग वर्षो तक शिकायत लेकर प्रसासन के चक्कर लगाते हैं और शिकायत सही होने के बाद भी अतिक्रमण नही हटाया जाता।

गूंज में समाचार प्रकाशित होने के बाद भ्रष्ट मैनेजर चैनसिंह को मिला नोटिस

कलेक्टर लेंगे मामले का संज्ञान तो होगी जांच व कार्रवाई, नहीं तो चैनसिंह हमेशा की तरह गगन गैस लोन माफी मामले में भी घूमेगा आजाद

माही की गूंज, खवासा।

चैनसिंह, एक ऐसा नाम जो आ.जा.स. संस्था भामल के साथ खवासा संस्था से अपनी कारस्तानी बताकर नित नये भ्रष्टाचार को अंजाम देकर भी वह रिटायरमेंट के अंतिम दौर तक भी मैनेजर के पद पर बैठ अपनी भ्रष्टाचार की कारस्तानी गड़ने में कोई चूक नहीं कर रहा है।

चैनसिंह राठौर ने भामल की आदिम जाति सहकारी संस्था में पदस्थ होने के साथ ही भ्रष्टाचार के कई आयाम संस्था में गडे हैं, पर संस्था एवं संबंधित अधिकारियों की श्रेय व अपनी चतुराई के साथ मामूली कागजी कार्रवाई के अलावा कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में भ्रष्ट चैनसिंह राठौर के बारे में एक ही चर्चा होती है कि, चैनसिंह अपना उल्लू सीधा करने के लिए कुत्ते को भी अपना बाप बनाने से नहीं छोड़ता। नतीजन जब भी वह भ्रष्टाचार करता उन भ्रष्टाचारो में कुछ मामले उजागर भी होते तो मुंह मांगी रकम संबंधित अधिकारियों को देने के साथ उनके चरणों में नतमस्त होकर मामले की दिशा चेंज करवाकर अब तक बचता आया है।

भाई-भाभी व भतीजे का फर्जी केसीसी लोन लेकर कृषि ऋण माफी योजना में करवाया था माफ

भ्रष्ट चैनसिंह ने अपने सगे भाई जिससे कई वर्षों से बोलचाल बंद होने के बावजूद भाई-भाभी व भतीजे के फर्जी हस्ताक्षर कर केसीसी लोन खाता खोलने के साथ ही खवासा आदिम जाति सहकारी संस्था से लोन आहरण कर लिया था। जिसका खुलासा भी माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ किया था। जिसमें सामने आया था कि, चैनसिंह के भाई भगवानसिंह, भाभी व भतीजे के नाम के फर्जी रूप से दस्तावेज लगाकर उनकी बिना जानकारी व अनुमती के ही फर्जी केसीसी लोन कर राशि चैनसिंह द्वारा आहरण की गई थी।

गगन गैस में दिया गया लोन कृषि ऋण माफी में किया माफ, जांच हो तो मेंनेजर चैनसिंह को हो सकती है जेल

गूंज में उक्त समाचार प्रकाशित होने के बाद मिला भ्रष्ट चैनसिंह को नोटिस

यहां तक की चैनसिंह की भाभी ने तो खवासा की संस्था का कभी आकर मुंह तक नहीं देखा था का भी खुलासा हुआ था। उक्त मामला कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के कृषि ऋण माफी योजना के तहत किसानों के ऋण माफी सूची चस्पा होने पर उक्त भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ था। परंतु उक्त इतने बड़े मामले में भी चैनसिंह अधिकारियों के साथ सत्ता पक्ष नेता का सरंक्षण प्राप्त कर अपने आप को सुरक्षित कर लिया था। वही अपनी ही चार पहिया गाड़ी में खाद्यान की हेरा-फेरी के खुलासे में भी लोगों के झूठे बयान करवाकर बच गया और पुनः मैनेजर की सीट पा ली। ऐसे ही कई मामले फर्जी लोन व अपने चहेतों को लिमिट से अधिक खाद् व खद्य वितरण के मामले भी सामने आ चुके हैं।

चैनसिंह की भ्रष्टाचार की इसी कड़ी में गगन गैस में कुछ उपभोक्तायों को चार-चार हजार का लोन देकर उपभोक्ताओं को गगन गैस कंपनी बंद हो जाने तक भी गैस कनेक्शन की डायरी तक नहीं देने वाले चैनसिंह का एक और मामला आया। जिसे भी माही की गूंज ने अपने पिछले अंक में ''गगन गैस में दिया गया लोन कृषि ऋण माफी में किया माफ, जांच हो तो मैनेजर चैनसिंह को हो सकती है जेल'' के शीर्षक के साथ प्रकाशित किया था। जिसमें 7 व्यक्तियों को भामल संस्था से गगन गैस कनेक्शन में लोन के साथ दो-दो टंकी व एक चूल्हा दिया था।

जिसमें नानालाल रामसिंह नकुम ने संस्था चुनाव में उम्मीदवारी के पूर्व लोन राशि जमा करा दी गई थी। जिसके बाद लक्ष्मणसिंह अनार सिंह सोलंकी, शंभूलाल तुलसीराम चैहान, हुकमचंद राधाकिशन लोहार, स्व. शांतानमल तुलसीराम चैहान के ब्याज सहित लोन राशि को कमलनाथ सरकार की कृषी ऋण माफी योजना में केसीसी लोन का बकाया बताकर इस राशि को ऋण माफी योजना में जोड़ गगन गैस पर दिए लोन को माफ करवा दिया गया। वहीं दो अन्य रामचंद्र खीमा चंद्रावत निवासी परवाड़ा, स्व. तेरसिंह रादू कटारा रत्री जिसका पुत्र अवनीश कटारा को गगन गैस के बकाया में अब तक के ब्याज के साथ वसूली हेतु संस्था की ओर से नोटिस थमाया गया था। जिसके बाद उक्त मामला उजागर होकर माही की गूंज में प्रकाशित हुआ था।

उक्त मामला माही की गूंज में प्रकाशित होने के बाद खवासा-भामल संस्था के प्रशासनिक प्रभारी तोलाराम मुणिया ने नोटिस भामल संस्था मैनेजर चैनसिंह को दिया है। यह तय है अन्य मामले में बड़े पैमाने पर अपनी भ्रष्टचारी कारस्तानी दिखाकर बड़े रूप से व्यारे-न्यारे किए हैं, उसकी तुलना में तो यह अनियमित्ता व भ्रष्टाचार का छोटा मामला दिखाई दे रहा है, लेकिन अनियमित्ता, चोरी व भ्रष्टाचार में चाहे लेन-देन छोटी हो या बड़ी कानूनी मामला तो एक ही बनता है।

इस संबंध में जब प्रशासनिक प्रभारी तोलाराम मुणिया से माही की गूंज कार्यालय से बात कि, तो बताया माही की गूंज में समाचार प्रकाशित हुआ जिसके आधार पर चैनसिंह को मामले में नोटिस दिया गया है, आगे श्री मुणिया ने कहा अगर मामले में कोई कलेक्टर को शिकायत करता है या कलेक्टर मामले को संज्ञान में लेकर जांच के आदेश देते हैं तो ही मामले में जांच और जांच के बाद कार्रवाई संभावित है, वरना उक्त मामले में चैनसिंह के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होगी।

प्रशासनिक प्रभारी तोलाराम मुणिया की बात बिना तोले-बोले शब्दो में कहीं है पर वह अपनी बात को सही दिशा में कह गए। अगर मामले में कलेक्टर जांच करवाएंगे तो ही मामले में चैनसिंह के विरुद्ध मामला दर्ज हो सकता है, नहीं तो नहीं। तय है चैनसिंह कलेक्टर के सभी प्यादो से सांठ-गांठ कर अन्य मामले की तरह यह मामला भी दबाने का प्रयास करेगा और कलेक्टर को गुमराह करने की कोशिश करेगा।

अब देखना है कि, कलेक्टर यहां भी भ्रष्टाचार में चार चांद लगाने वाले भ्रष्ट चैनसिंह राठौर के विरुद्ध जांच बिठाकर कार्रवाई करवाएगी या फिर अपने आशीर्वाद के साथ भ्रष्टाचार में और चार चांद लगाएगी।

बात करें संस्था के प्रशासनिक अधिकारियों की तो वह तो इस भ्रष्टाचारी सिस्टम से जुड़े हुए ही है और ऐसे ही नोटिस देकर गोल-मोल जवाब तलब के साथ मामले को रफा-दफा करने में महारत हासिल है।

शिकायत हुई तो प्राचार्य को याद आई समिति, जिनको करनी थी जांच वो अधिकारी बने अब समिति के अध्यक्ष

माही की गूंज, पेटलावद।

एकलव्य शिक्षा परिसर इन दिनों फिर से चर्चा में है यहां अतिथि महिला आपरेटर की प्रताड़ना के कारण नोकरी छोड़ने का मामला उजागर होने के बाद जांच शुरू हुई, शिकायत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तक पहुँची बस इसके बाद प्राचार्य महोदय ओमकारसिह मैडा को याद आया कि संस्था का मुखिया में हु लेकिन इसकी समिति होती है जिसका अध्यक्ष विकास खण्ड के एसडीएम होते हैं जिनकी देख रेख और जानकारी में संस्था के काम होने है । शिकायत की जांच शुरू होने के बाद प्राचार्य महोदय में समिति का गठन कर एसडीएम राजस्व अनिल कुमार राठौर की अध्यक्षता में समिति का गठन कर दिया । यहां इस समिति के गठन के बाद चर्चा है कि महिला अतिथि कार्मचारी की शिकायत का क्या होगा क्योंकि एसडीएम ही इस मामले की जांच की बात कह चुके हैं । वही संस्था में होने वाली हेरा फेरी ओर शिकायतो में अब से एसडीएम की जवाबदेही बढ़ गई है । हालांकि इससे पूर्व के प्राचार्यों द्वारा संस्था में इस समिति का गठन करने की कोई जानकारी नही आई है अगर समिति नही बनी है तो ये पूर्व प्राचार्यों की बडी लापरवाही है वही शिकायत के बाद जागे वर्तमान प्राचार्य भी घेरे में है क्योंकि उनको संस्था में पदस्थ हुवे चार माह के लगभग समय हो गया लेकिन शिकायत होने के तुरंत बाद प्राचार्य महोदय को समिति का गठन याद आई अगर शिकायत नही हुई होती तो पूर्व की तरह ही वर्तमान व्यवस्था चलती रहती।

तपोत्सव मनाकर किया वर्षीतप

माही की गूंज, बामनिया।

सोमवार को पेटलावद रोड़ स्थित सिद्धार्थ गार्डन में तपोउत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें सभी वर्षीतप आराधको का शाल-श्रीफल व चांदी के सिक्के से बहुमान किया गया। आयोजन के लाभार्थी परिवार लवेश भूपेंद्रकुमार मुथा परिवार द्वारा सभी तपस्वीयों का बहुमान, पारणा व स्वामीवातसल्य का आयोजन किया गया। वर्षीतप तपस्वी प्रतिभा सुभाष बाफना, रेखा दिलीप गांधी, रेखा भूपेंद्र मूथा, पदमा जैन, सरोज मेहता, दिलीप गांधीजी, अनिल मुथा, शिखा जैन, अंकुर जैन, सारिका जैन, अगुरबाला मुथा, हंसा मुथा, कंताबेन बठिया, विजय बोहरा पालिताणा सात यात्रा तपस्वी आदि तपस्वीयों का बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष विमल मुथा व गुंजन जैन ने किया।

अजब गजब एमपी: नल-जल की पाईप लाईन के ऊपर ही ठोक दिया नाली निर्माण

ग्रामीणों ने जनसुनवाई में की शिकायत, ग्राम पंचायत पर भ्रष्टाचार और निर्माण में धांधली का आरोप

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की ग्राम पंचायतो में चुनाव के बाद बैठी नई पंचायत बॉडी में भी भ्रष्टाचार और लापरवाही का खेल शुरू हो गया है, ग्राम पंचायत बचीखेड़ा के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में पहुँचकर एसडीएम के समक्ष गुहार लगाई और ग्राम पंचायत में हो रहे विकास कार्यों में धांधली के आरोप लगाए। ग्राम पंचायत में नाली निर्माण के फ़ोटो सामने आए जिसमे अजब-गजब एमपी का एक ओर चेहरा देखने को मिला। उपसरपंच उर्फ ठेकेदार द्वारा बनाई जा रही नाली जो लाखो-करोड़ो की राशि से डाली गई नल-जल योजना की पाईपलाईन पर ही बनाई जा रही है।

शिकायत करने आए ग्रामीणों ने बताया कि, गांव में मुख्य मार्ग पर ग्राम पंचायत की बिना अनुमति/स्वीकृति के ग्रामीण जनों द्वारा नवीन भवन निर्माण कर लिए गए तथा ग्राम पंचायत के किसी जिम्मेदार सरपंच, पच, सचिव आदि द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणजनों ने कहा कि, पहले मार्ग क्षतिग्रस्त कर नल जल योजना की पाईपलाईन बिछा दी फिर उसी पर नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है। नगर का मुख्यमार्ग अत्यन्त छोटा हो गया है । यदि कोई 2 वाहन आमने-सामने आ जाए तो बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाती है। वर्तमान नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा ग्राम के मुख्य मार्ग एवं गली में नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो मुख्य मार्ग से एकदम सटा कर बनाया जा रहा है। जिससे भविष्य में कोई हादसा या दुर्घटना होने की संभावना निर्मित हो सकती है।

शासकीय कार्यो में किया जा रहा भ्रष्टाचार, बिना निराकरण फर्जी तरीके से बन्द कर दी जाती है सीएम हेल्पलाइन

ग्रामीणो ने सरपंच पर आरोप लगाते हुए कहा कि, नया सरपंच भी पूर्व सरपंच के नक्शे कदम पर पुजीपती (ठेकेदार) के कहे अनुरूप ही भ्रष्टाचार करना प्रारंभ कर दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि, जब मुख्यकार्यपालन अधिकारी को ग्राम में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर दी जाती है, तो उस आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। सीएम हेल्पलाईन पर शिकायत करने पर फर्जी पंचनामा बनाया जाकर बंद करने की कार्यवाही कर दी जाती है। जनपद पंचायत के समस्त जिम्मेदार अधिकारी, कर्मचारी उक्त ठेकेदार के कहने पर शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं करते है। शिकायत के संबंध में ग्रामीणों के समक्ष जांच कर निराकरण किया जाना चाहिए, लेकिन जनपद के अधिकारी और कर्मचारी बिना मौके की जांच के सीएम हेल्पलाइन पर जवाब बनाकर डाल दिया जाता है और शिकायत फर्जी तरीके से बन्द कर दी जाती है।

मनरेगा के मजदूरी भुगतान में भारी हेरा-फेरी

विगत कई वर्षों से तथा वर्तमान में ग्राम की जनता ग्राम पंचायत के कार्यों की मजदुरी के अभाव में अन्य राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान मजदुरी हेतु जा रहे है। जबकि ग्राम पंचायत द्वारा चलाए जा रहे कार्य निस्तार तालाब, सी.सी. रोड चैक डेम एवं अन्य निर्माण कार्यों में ग्राम के उन लोगो को मजदूरी भुगतान किया जा रहा है, जो बहार रह कर मजदूरी कर रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास, पशु सेड, तालाब, नाली निर्माण, सड़क निर्माण सहित कई कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर जांच की मांग की है ।

लंबे समय से रूका ब्रिज निर्माण का कार्य, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, राणापुर/कुन्दनपुर। कृष्णपाल सिंह ठाकुर

राणापुर बस स्टेंड के पास लगभग 1 करोड़ से अधिक की राशि से ब्रिज निर्माण किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एव विकास विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारी मंगलवार को राणापुर नगर परिषद पर पहुंचे। उन्होंने नगर के राणा तालाब व बस स्टेंड के मध्य बन रहे लगभग 1 करोड़ 35 लाख की लागत से बनने वाले ब्रिज का निरीक्षण किया। निरक्षण के दौरान नगर वासियों को जेसे ही सूचना प्राप्त हुई नगरवासी राणा तालाब पर पहुंचे, सभी नगरवासियों ने राणा तालाब के बारे में चर्चा करते हुए अधिकारियों से शिकायत की। उन्होंने नगर के सबसे चर्चित ब्रिज का काम आखिर लंबे समय से क्यो रूका हुआ है ? इसका काम शुरू क्यों नही किया जा रहा हे, तालाब के सौंदर्य करण के लिए क्यो ठोस कदम नही उठाए गए, ऐसे कई सवाल नगर वासियों ने अधिकारियों से पूछे। अधिकारी, नगरवासियों के सवालों के जवाब नही दे पाए। लोगों ने यह भी कहा कि, इस ब्रिज की डीपीआर सार्वजनिक कि जाए जिससे इसकी डिजाइन अनुरूप कार्य हो रहा है या नही की जानकारी हो सके।

अधिकारी कार्यपालन यंत्री एलडी दोराया व एई एसके गिते ने बताया कि, इस ब्रिज की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी, जिसमे उज्जैन इंजीनियर कालेज की टीम व इंदौर की जीएसआइटीएस की टीम ब्रिज निर्माण जांच करने आएगी। जिसमे यह देखा जायेगा की यहां डीपीआर अनुसार काम हो रहा हे या नही।

ठेकेदार पर उठे सवाल

राणापुर वासियों ने यह शिकायत भी की कि, निर्माण स्थल पर किसी भी प्रकार का बोर्ड लगा हुआ नही हे साथ ही ठेकेदार को आज तक निर्माण स्थल व आस-पास नही देखा गया। निर्माण के लिए उपयोग होने वाले मटेरियल की भी जांच होना चाहिए। इसके बाद लोगो ने राणा तालाब के सौंदर्य करण की भी जांच की माग कि है। उल्लेखनीय है कि, राणा तालाब के सौंदर्य करण के लिए लगभग दो करोड से अधिक की राशि स्वीकृत हुई थी। यह स्वीकृत राशि मे कितना खर्च हुआ और क्या-क्या काम हुआ ओर कितना शेष बचा हे अधिकारी से जानना चाहा। नगर परिषद् पर उपस्थित इंजीनियर अर्पित हटीला ने अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि, राणा तालाब के सोंदर्य करण पर दो बार पैसा दिया है, कब ओर कहा पर कितना खर्च हुआ, पुरा ब्यौरा व फाइल तलब की जाए।

मुक्ति धाम मार्ग का भी किया निरीक्षण

अधिकारी नगर के मुक्ति धाम मार्ग पर पहुचे वहा पर वार्ड 12 के पार्षद सुरेश वागुल ने बताया कि, कुछ माह पहले चन्द्रशेखर आजाद मार्ग पर सीसी रोड बनाया गया, जो की काफी घटिया निर्माण है रोड निर्माण के चार-पांच माह मे ही गिटटी बाहर आ गई है इसकी भी उचित जांच होनी चाहिए।

उक्त मामले में नगर परिषद के इंजीनियर अर्पित हटीला को निर्देश देते हुए अधिकारी ने कहा कि रोड के दोनो साइड व बीच मे से सैम्पल लेकर क्यूब जांच करेगे । दोनो अधिकारियों ने शिवाजी चोक से भाभरा रोड तक प्रस्तावित सीसी रोड की साइड का भी निरीक्षण किया । लोगो ने दोनो अधिकारियों से यह भी कहा कि मुक्ति धाम पर ट्रेचिग ग्राउंड पर बाउण्ड्रीवाल बनाने की माँग पर कहा कि, इसका पैसा पहले 13 व 14 वे वित् आयोग मे आ चुका है जिसे 75 प्रतिशत यहा पर खर्च करना था। लेकिन यहा पर खर्च नही किया गया है। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष दीपमाला दिलिप नलवाया, पार्षद लोकेन्द्रसिह परिहार, सुरेश वागुल, मंडल अध्यक्ष किर्तीश राठौर, महामंत्री लाला गाहरी व नगर परिषद उपयंत्री अर्पित हटीला आदि उपस्थित थे ।

जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर इलाज के नाम पर कर रहा अवैध वसूली, जयस ने ज्ञापन देकर की कार्यवाही की मांग

माही की गूंज, झाबुआ।

मंगलवार को जय आदिवासी संगठन ने कलेक्टर झाबुआ को ज्ञापन देते हुए बताया, जिला अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर विजय निनामा हड्डी रोग विशेषज्ञ ने अस्पताल में पीदीया मेघा वसुनिया निवासी डूमपड़ा का पैर फेक्चर हो गया था जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती किया, जिसमे इलाज के लिए डॉक्टर विजय निनामा ने 15 हजार रुपए की मांग की मरीज के परिवार वालों ने 4 हजार रुपए डॉक्टर निनामा को दिए तब पैर का ऑपरेशन किया बाकी के 11 हजार रुपए नही दोगे तो छुट्टी नही करेंगे कहा। मामले की जानकारी से परिजनों ने जयस संगठन के पदाधिकारियों को अवगत करवाया। संगठन के हस्तक्षेप के बाद पीदीया मेघा वसुनिया की छुट्टी करवाई। संगठन का आरोप है कि, जिले में सरकारी अस्पताल में डॉक्टर द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है और खुले आम पैसे लिए जा रहे। आपको बता दे कि, कुछ माह पूर्व ही मुख्यमंत्री ने जिले में आदिवासीयो के विकास के लिए पैसा एक्ट लागू किया था लेकिन जिले के कई विभागों में पदस्थ आदिवासी अधिकारी और कर्मचारी ही गरीब ग्रामीणों का शोषण कर रहे हैं ऐसे में आदिवासीयो का भला कैसे होगा, सरकार को एक्ट के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों पर भी नियंत्रण की आवश्यकता है।

श्री गौवर्धननाथजी की हवेली में स्थित गौशाला में गौ-माताओं को करवाया आहार

सामाजिक महासंघ की महिला इकाई ने ''नर सेवा एवं जीव सेवा'' का पुनित कार्य किया

गांधी आश्रम में निर्धन परिवारजनों को ठंड से बचाव हेतु निःशुल्क कंबल प्रदान किए गए

माही की गूंज, झाबुआ।

सामाजिक महासंघ महिला इकाई द्वारा मकर संक्रांति के पुनित पर्व के उपलक्ष में 18 जनवरी, बुधवार को ''नर सेवा एवं जीव सेवा'' के कार्य किए गए। जिसमें स्थानीय आजाद चैक के समीप श्री गौवर्धननाथ मंदिर में गौ-माताओं की पूजन कर उन्हें आहार करवाया। बाद नेहरू मार्ग से लगे गांधी आश्रम बस्ती में निर्धन परिवारजनों को वर्तमान में कड़ाके की ठंड से बचाव हेतु निःशुल्क कंबल भी वितरित किए गए।

सामाजिक महासंघ महिला इकाई अध्यक्ष शीतल जादौन, चंचला सोनी, ऋतु सोडानी, कुंता सोनी, सुशीला भट्ट गायत्री सावलानी, हंसा कोठारी आदि ने शाम करीब 4 बजे सर्वप्रथम श्री गौवर्धननाथ मंदिर में श्रीनाथ गौषाला में गौ-माताओं की पूजन कर एवं चुनरी ओढ़ाकर आहार के रूप में हरी सब्जियां, हरी घास एवं खली आदि खिलाई। इस दौरानएक खली का थैला भी गौषाला प्रबंधन को सहयोगार्थ प्रदान किया।

झाबुआ के श्री गौवर्धननाथजी की हवेली में स्थित श्रीनाथ गौषाला में सामाजिक महासंघ की मातृ शक्तियां गौ-माताओं को आहार करवाते हुए।

बच्चों को तिल-पपड़ी, बिस्कीट वितरित किए गए

बाद यहां से सभी मातृ शक्तियों ने नेहरू मार्ग से लगे गांधी आश्रम बस्ती में निर्धनजनों को मकर सक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए वर्तमान में पड़ रहीं कड़कड़ाती ठंड से राहत हेतु गरम कंबल प्रदान किए। मकर संक्रांति पर तिल-गुड़ के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस दौरान बच्चों एवं परिवारजनों को तिल-चिक्की एवं बिस्किट आदि भी मातृ शक्तियों ने अपने हाथों से भेंट करते हुए उनकी खुषियों में अभिवृद्धि की। अंत में सभी के प्रति आभार सामाजिक महासंघ महिला इकाई अध्यक्ष शीतल जादौन ने माना।

गांधी बस्ती में निर्धन बच्चों एवं परिवारजनों को नि:शुल्क कंबल एवं तिल-पपड़ी, बिस्कीट आदि का वितरण किया गया।

बेटे की शादी के लिए लाई रकम व नकदी चोरी

एक सप्ताह के बाद भी चोरी का मामला दर्ज नहीं तो क्या चोरी का खुलासा करेगी पुलिस...?

माही की गूंज, खवासा।

3 जनवरी को जिले में चैकी व थाना प्रभारी के फेरबदल में रंभापुर चैकी पर पदस्थ चैकी प्रभारी नवलसिंह बघेल को खवासा चैकी पर पदस्थ किया गया।

नवलसिंह बघेल के खवासा चैकी प्रभारी के रूप में पदस्थ होने के बाद 10 जनवरी को खवासा चैकी क्षेत्र के ग्राम कुकड़ीपाड़ा के रहवासी मडिया पिता गलिया कटारा ने लिखित में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, उसके बेटे की शादी के लिए विभिन्न प्रकार की रकमें बहू को चढ़ावे के लिए करीब पौने दो किलो चांदी की रकमे व सोने की बाली के साथ ढाई हजार रुपये नगदी घर के अंदर एक पेटी में रखे थे, रात में अज्ञात चोरों ने हमारी नींद लगने पर रात्रि में पेटी के साथ उसमें रखी रकम व नकदी चुरा ले गए।

सुबह घर का दरवाजा खुला देखने पर घर के बाहर एक झाड़ के पास वह खाली पेटी मिली जिसमें शादी के लिए लाई गई रकमे व नगदी पड़े थे।

चोर पेटी का ताला तोड़ पेटी के अंदर रखी रकमे व नकदी चुरा ले गए जिसका मामला दर्ज कर उसकी नुकसान की भरपाई करवाने हेतु रिपोर्ट दर्ज की गई।

10 जनवरी को चोरी की रिपोर्ट दर्ज पर मामला आज तक दर्ज नहीं।

पीड़ित मड़िया अपने बेटे की शादी के लिए जैसे-तैसे जुगत कर चांदी व सोने की उपरोक्त रकमें लेकर आया था और चोरी हो जाने पर वह बेटे की शादी में रकमें कहां से लाऊगा सोच कर चिंतित हो रहा है, वही खवासा चैकी में 10 जनवरी से रोज चोरी का मामला दर्ज करवाने व मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने चोरी के खुलासे की आस लिए हुए प्रतिदिन चैकी पर आ रहा है, परंतु खवासा चैकी पर पदस्थ नवनियुक्त चैकी प्रभारी नवलसिंह बघेल अपनी मस्ती में इतने मस्त है कि, उन्हें एक गरीब पिता की परेशानी नहीं दिखाई दे रही है। जिसके चलते ही चोरी होने के 1 सप्ताह बीत जाने के बाद भी चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, तो तय है जब चोरी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई तो चोरी का खुलासा पुलिस कर दे यह दिखाई नहीं देता है।

इस संबंध में चैकी प्रभारी नवलसिंह ने पहले तो चैकी में चोरी की शिकायत से अज्ञानता जाहिर की और बाद में जब प्रतिनिधि ने विस्तृत में 10 जनवरी को लिखित में रिपोर्ट दर्ज करवाने की बात बताई जिसके बाद चैकी प्रभारी ने हाँ, आवेदन प्राप्त हुआ है मामले की जांच चल रही है, कहा। अब देखना है पुलिस मामला दर्ज कर चोरी का खुलासा करती है या नहीं।

सड़क सप्ताह के तहत चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान

माही की गूंज, कुन्दनपुर।

सड़क सप्ताह यातायात सुरक्षा के तहत पुलीस अधीक्षक व थाना प्रभारी के निर्देशन पर वाहनों को चैक किया व समझाईश दी। पुलीस अधीक्षक अगम जैन व राणापुर थाना प्रभारी संजय रावत के निर्देशन पर मोरडून्दया चैकी प्रभारी लाखन सिंह भाटी, देयसिंह रावत, मुकेश कनेश द्वारा सड़क सप्ताह सुरक्षा के अन्तर्गत यातायत सुरक्षा, वाहनों को दुर्घटना से बचाने को लेकर उदयगढ़-भाबरा मुख्य मार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चैकी प्रभारी द्वारा वाहन चालकों को समझाईश भी दि गई की यातायात नियम का पालन जरूर करे। इस अभियान का सभी वाहन चालकों ने समर्थन किया।

करोड़ो की लागत से बन रहे छात्रावास में हो रहा घटिया निर्माण, प्रशासन उदासीन

पीआईयू अधिकारी ऑफिस में बैठकर कर रहे हैं खानापूर्ति, निर्माण स्थल से इंजीनियर नदारद

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बच्चों के भविष्य को देखते हुए करोड़ों रुपए की लागत से हाई स्कूल सारंगी में बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण चल रहा है। लेकिन छात्रावास में हो रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सारंगी सरपंच, उपसरपंच एवं निर्माण समिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं, फिर भी जिम्मेदार पीआईयू अधिकारी मॉनिटरिंग करने के बहाने लीपा-पोती कर रहे हैं। ठेकेदार अपनी मनमर्जी अनुसार कार्य करके भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहा है। निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है, क्रेशर की डस्ट का उपयोग कर रहा है, इस डस्ट में 10 परसेंट से ज्यादा मिट्टी मिली हुई है, इंजीनियर और एसडीओ कोई ध्यान ही नहीं दे रहे हैं जिसके कारण ठेकेदार अपनी मनमर्जी अनुसार कार्य करवा रहा है। घटिया निर्माण से बच्चों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है सरपंच फुनदी बाई मैड़ा, उपसरपंच रंजीत सिंह राठौर एवं निर्माण समिति अपने क्षेत्र में बन रहे छात्रावास का निरीक्षण करने पहुंचे थे वहां पर कोई जवाबदार व्यक्ति नहीं मिला उन्होंने ठेकेदार पर घटिया निर्माण का आरोप लगाया है, कई बार ग्रामीणों की शिकायत पर ग्राम पंचायत सारंगी ने बिल्डिंग निर्माण में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर ठेकेदार और इंजीनियर से बात की एवं वहां पर उपयोग होने वाली सामग्री रेत, गिट्टी में मिट्टी मिली हुई है एवं घटिया क्वालिटी की सीमेंट पर आपत्ति ली उसके बावजूद भी ठेकेदार अपनी मर्जी चलाते हुए मिट्टी वाली रेत का उपयोग कर रहा है एवं मिट्टी वाली डस्ट का भी ज्यादा मात्रा में उपयोग कर रहा है, डस्ट एवं रेत में कंकर एवं मिट्टी की मात्रा ज्यादा है। निर्माण कार्य का निरीक्षण तो वहां कई अनियमित्ता पाई गई जब इस विषय में ठेकेदार से फोन पर चर्चा की गई तो ठेकेदार ने बताया कि, आपको अगर निर्माण कार्य में अनियमित्ता लग रही है तो, जिले से पीआईओ अधिकारियों एवं इंजीनियर को बुलाकर जांच करवा ले। इस विषय में जब सरपंच, उपसरपंच से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि, निर्माण कार्य घटिया किस्म का हो रहा है अगर निर्माण सही नहीं हुआ तो हम मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर को इसकी शिकायत दर्ज करवाएंगे क्या पीआईयू अधिकारी इसकी जांच कर घटिया निर्माण पर रोक लगाएंगे।

संपादकीय

तथ्यों के अभाव में अविश्वास होगा गहरा

जोशीमठ त्रासदी के बीच जमीन धंसने में आई तेजी दर्शाने वाली इसरो की सेटेलाइट तस्वीरें जारी होने के बाद सरकारें हरकत में आई है। सरकार ने एनडीआरएफ से कहा है कि, घटनाक्रम के बाबत उपलब्ध वैज्ञानिक व संस्थानों की सूचनाओं को मीडिया व सोशल मीडिया पर

प्रसारित न किया जाए। उसके बाद इसरो ने उन तस्वीरों को अपनी वेबसाइट से हटा दिया, जिनमें कुछ दिनों में जोशीमठ के पांच सेंटीमीटर से ज्यादा धंसने की बात कही गई थी। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया था कि अप्रैल 2022 के बाद के सात महीनों में जहां जमीन 8.9 सेमी धंसी थी, वहीं 27 दिसंबर के बाद महज बारह दिनों में जमीन पांच सेमी धंसी है। सरकार की दलील है कि, रिपोर्ट के निष्कर्ष यहां के लोगों में असुरक्षा व भय पैदा करने वाले हैं। जाहिर बात है कि घरों व सड़कों में आई दरारों के बाद विस्थापन की प्रक्रिया में सरकारी तंत्र की सुस्ती भी ऐसी सूचनाओं पर पर्दा डालने की वजह बन रही है। नि:संदेह, इसरो की सूचनाएं प्रमाणिक व वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित होती हैं। यही वजह है कि उसकी रिपोर्ट पर लोगों का ज्यादा भरोसा होता है, तभी लोगों ने इस रिपोर्ट पर ज्यादा ध्यान भी दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि, विगत में तमाम वैज्ञानिक अनुसंधान व विषय विशेषज्ञों की रिपोर्टों की उत्तराखंड की तमाम सरकारों ने अनदेखी की है। नि:संदेह, विधायक व मंत्री चुने हुए प्रतिनिधि तो होते हैं लेकिन वे भूगर्भ व पर्यावरण विषयक मुद्दों के विशेषज्ञ नहीं हो सकते। ऐसे में यदि तथ्यपरक व वैज्ञानिक रिपोर्ट सामने आती है तो उसका उपयोग समस्या दूर करने और रीति-नीतियों के निर्धारण में होना चाहिए। नि:संदेह मीडिया का काम लोगों को जागरूक करना होता है। साथ ही यह भी जरूरी है कि ऐसी रिपोर्ट विषय विशेषज्ञों के शोध-अनुसंधान व सर्वेक्षणों पर आधारित होनी चाहिए। सुनी-सुनाई बातों से जहां लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है, वहीं कई तरह की अफवाहों को भी बल मिलता है।

बहरहाल, सरकारों को ध्यान रखना चाहिए कि मीडिया हमेशा एक सचेतक की भूमिका में रहा है और उसने विभिन्न मुद्दों पर लोगों को जागरूक ही किया है। यह मीडिया की सक्रियता और सजगता का ही परिणाम था कि जोशीमठ को लेकर पूरे देश में विमर्श हुआ और केंद्र तथा राज्य सरकार हरकत में आई। धंसाव के बाद पानी के रिसाव ने जोशीमठ व देश के लोगों की चिंताएं बढ़ा दी थीं। यह बात जरूरी है कि, मीडियाकर्मियों को विज्ञान सम्मत व तार्किक रिपोर्ट के द्वारा जनता को जागरूक करना चाहिए। जरूरी है कि रिपोर्ट समाज के किसी वर्ग में भय व असुरक्षा की भावना न पैदा करे। लेकिन मुद्दे की प्रासंगिकता व संभावित निष्कर्षों पर सार्थक विमर्श जरूरी है। जोशीमठ के मामले में उत्तराखंड सरकार भी नहीं चाहती कि संवेदनशील सूचनाएं सार्वजनिक विमर्श में आए। वहीं दूसरी ओर देश के गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक के उपरांत एनडीआरएफ को इस बाबत निर्देश दिए गये थे। जिसके बाद एनडीआरएफ ने पत्र लिखकर बारह सरकारी संगठनों व एजेंसियों को कहा कि, उनके विशेषज्ञ अपना विश्लेषण और निष्कर्ष मीडिया व सोशल मीडिया पर जारी न करें। इसरो भी इन एजेंसियों में शामिल रही, जिसके बाद इसरो ने अपनी वेबसाइट से उन तस्वीरों को हटा दिया जो जोशीमठ का हाल बयां कर रही थीं। नि:संदेह, सत्य के तथ्य सार्वजनिक होने चाहिए, लेकिन वे तथ्यपरक हों, न कि भय फैलाने वाले। वहीं सूचनाओं पर अंकुश लगाना लोकतांत्रिक व्यवस्था में तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता। बहुत संभव है कि, विश्व की दूसरी एजेंसियां ऐसे ही तथ्य सार्वजनिक विमर्श में ले आएं। वैश्विक सूचना तंत्र के बीच सूचनाओं पर अंकुश लगाना आज के दौर में संभव नहीं है। इससे दूसरे देशों में अच्छा संदेश नहीं जायेगा। बहुत संभव है कि बाहर से आने वाली सूचनाएं अनियंत्रित व अवास्तविक हों और समाज में भ्रम व अफवाहों को जन्म दें। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल भी सरकारों पर सच्चाई पर पर्दा डालने के आरोप लगा रहे हैं।

बढ़ते विदेश पलायन से उपजी आर्थिक चुनौती

गज़ब का विरोधाभास है, एक ओर भारत का लक्ष्य वर्ष 2027-28 तक 5 ट्रिलियन डॉलर वाली अर्थव्यवस्था बनने का है तो वहीं सवाल यह है कि फिर युवा, यहां तक अति-अमीर भी, बड़ी संख्या में देश से पलायन करने की कोशिश में क्यों लगे हैं? इससे ज्यादा अहम यह कि क्या वे इस संभावना को लेकर उत्साहित नहीं हैं कि जब कहा जा रहा है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर विश्व की मुख्य अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक रहेगी और जल्द ही जापान और जर्मनी को पछाड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी बन जाएगी। वह भी 2030 से पहले, जैसा कि वैश्विक बैंकिंग मूल्यांकन एजेंसी मॉर्गन स्टेन्ली द्वारा प्रस्तुत भविष्यवाणी दर्शा रही है। पिछले अनेक सालों से नीति-नियंताओं ने ऐसी नीतियां चलाईं जिससे गांवों से शहरों की ओर पलायन को बढ़ावा मिलता गया लेकिन इस पुरानी लीक की बजाय अब युवाओं ने प्रवास की नई राह पकड़ ली, गांव से सीधा विदेशी मुल्क।

भारत से न केवल युवा बल्कि अति-धनाढ्य भी बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकता त्यागकर विदेशों में बसने के मौके तलाश रहे हैं। यह अति-धनी वह हैं, जिनके पास निवेश के लिए 10 लाख डॉलर से ज्यादा की तो केवल नगदी ही है। संसद को बताया गया है कि 2011 के बाद से 16 लाख से ज्यादा अमीरों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है, इनमें पिछले साल की 1,83,741 की संख्या शामिल है। टीएमसी सांसद महुआ मित्रा ने हाल ही में संसद में कहा था कि वर्ष 2014-22 के बीच नौ सालों में 12.5-15 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है।

मुझे तो लगता था कि अमीर लोग बाहर जाने की बजाय कुछ और इंतजार करना चुनते कि शायद अगले सालों में अर्थव्यवस्था और व्यापार के हालात में सुधार हो जाए, जिसका दावा सरकार कर रही है। लेकिन जब विकसित मुल्कों ने अति-धनाढ्यों के लिए निवेशक-श्रेणी के तहत अपनी सीधी नागरिकता देने की राह खोली तो भारत से धीरे-धीरे और ज्यादा गिनती में अमीर लोग बेहतर रहन-रहन और काम-धंधे के माहौल की खातिर विदेश जाकर बसने लगे। इस वर्ग के परिवारों के बाहर जा बसने से हमारी घरेलू अर्थव्यवस्था को पड़ा घाटा विदेशी मुल्कों के लिए फायदेमंद बन गया।

बहरहाल, बात फिर से विदेशों की ओर पलायन करते युवाओं की चिंताजनक रूप से बढ़ती गिनती की करें, वह भी उच्च शिक्षा पाने के लिए, तो यह साफ दर्शाता है कि देश में शिक्षा का स्तर किस कदर शोचनीय है, तिस पर रोजगार के मौके भी यथेष्ट नहीं हैं, ऐसे में युवा विदेशों में अपना बेहतर भविष्य ताक रहे हैं। अफसोस, उच्च शिक्षा का स्तर सुधारने की बजाय बहुत-सी राज्य सरकारें विदेशी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले इच्छुकों की मदद अलग ढंग से करने में लगी हैं। मसलन, पंजाब में यह सहायता अंग्रेजी की 'आइल्ट्स' परीक्षा के रूप में है।

उच्च शिक्षा के लिए अपने बच्चों को विदेश भेजने वालों में अधिकांश वह हैं जिन्होंने इसकी खातिर अपने खेत बेचे या जायदाद गिरवी रखी या कर्ज उठाए हैं। विदेश में पढ़ाई करवाने का औसतन खर्च 25-30 लाख आता है अर्थात घरेलू अर्थव्यवस्था से निकलकर इतना बड़ा धन विदेशी मुल्कों को मिल रहा है। डब्ल्यूटीओ के प्रावधानों के तहत विदेशों में शिक्षा प्राप्ति को मॉड-2 सेवा श्रेणी में बतौर उपभोक्ता व्यापार में रखा गया है (फिर भी दुनियाभर के देशों ने इसके लिए मुक्त आवागमन नहीं खोला)। इस प्रावधान ने युवा छात्रों को विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की राह खोली, जिससे मेजबान मुल्क की अर्थव्यवस्था में इजाफा होता है।

विदेश जाने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को यही उम्मीद रहती है कि आगे चलकर उसे वहां स्थाई तौर पर रहने की इजाजत मिल जाएगी। एक बेहतर रहन-सहन स्तर, ऊंची पगार और उच्च दर्जे की सामाजिक सुरक्षा इत्यादि वह अवयव हैं, जो छात्रों को विदेश जाने को लालायित करते हैं।

पिछले कई सालों से पंजाब, केरल और अब हरियाणा से भी, कुशल श्रमिकों का प्रवाह विदेशों को लगातार होता आया है। जहां पहले इन दोनों सूबों से जाने वाले मुख्यतयः काम-धंधा करने जाया करते थे वहीं अब ध्यान का केंद्र शिक्षा है। अकेले पंजाब से, तकरीबन 1.5 लाख विद्यार्थी हर साल विदेश जा रहे हैं, केरल से यह संख्या लगभग 35000 है। अब तो हरियाणा में भी पढ़ाई के लिए विदेश जाने का चाव बढ़ने लगा है, वहां भी 'आइल्ट्स' करवाने और वीसा दिलवाने की 'दुकानें' दिखना आम दृश्य है।

विदेशों में पढ़ाई के लिए पहली तरजीह कनाडा, अमेरिका, यूके, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, इटली और न्यूज़ीलैंड को है। जो बच्चे वहां प्रवेश पाने में सफल नहीं हो पाते वे रूस, जॉर्जिया, लात्विया, बेलारूस और उज़बेकिस्तान जैसे अनेकानेक पूरबी यूरोपियन देशों का रुख करते हैं। यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई के तुरंत बाद भारत सरकार को वहां पढ़ रहे लगभग 22,500 छात्र, जिनमें अधिकांश मेडिकल शिक्षा ले रहे थे, किसी तरह निकालकर लाने का इंतजाम करना पड़ा था।

अब चाहे तो इसे 'ब्रेन-ड्रेन' कह लें, लेकिन पढ़ाई के लिए पंजाब, केरल और हरियाणा से विदेश जाने की दौड़ से जवान पीढ़ी की उपस्थिति में कमी हो रही है। इस दर पर, जल्द ही यह राज्य 'वृद्ध आश्रम' में तब्दील हो जाएंगे। वित्तीय भाषा में कहें तो इससे घरेलू मांग पर असर पड़ेगा। हमारी शिक्षा प्रणाली में व्याप्त कमियां और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की विफलता किस तरह समग्र विकास पाने में बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देती है, इस पर एक समाचारपत्र के 4 जनवरी, 2023 अंक में रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का रोचक लेख छपा है। इसमें उन्होंने राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वे का हवाला देकर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच, पांच सालों में, एक किसान के स्वामित्व वाले रकबे में औसतन 22 प्रतिशत की कमी हुई है। छोटे किसान की जोत भूमि भी 8.5 फीसदी सालाना घटी है। हालांकि यह डाटा सीधा तो सिद्ध नहीं करता किंतु संकेत साफ है कि ज्यादातर मामलों में यह कमी बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का खातिर जमीन बेचने से बनी है।

देविंदर शर्मा

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) और अशोका यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट बताती है कि जनवरी, 2020 से अक्तूबर, 2022 के बीच, लगभग 3 सालों में, 1.2 करोड़ अतिरिक्त लोग बेरोजगार हुए हैं। सबसे अधिक प्रभाव 15-39 साल के युवा वर्ग पर पड़ा है। पहले की सीएमआईई की रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में काम करने लायक 90 करोड़ लोगों की श्रमशक्ति में अधिकांश ने नौकरी की तलाश करनी बंद कर दी है। कुल मिलाकर देखें तो, यह युवाओं में बढ़ते मोहभंग का कारण दर्शाता है। यही वजह है कि विकास दर फिर से लय पकड़ेगी और अगले कुछ सालों में हमारी अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी, ऐसे दावे युवाओं को आश्वस्त नहीं कर पा रहे।

सरल शब्दों में, केवल आर्थिकी का बढ़ना ही अकेला अवयव नहीं है जो बढ़ती आबादी की आकांक्षाएं पूरी कर सके। जब तक ध्यान का केंद्र पुनः शिक्षा स्तर सुधारने, सुलभ बनाने, वहन योग्य और गुणवत्तापूर्ण करने और व्याप्त बेरोजगारी संकट का निदान करने की ओर न होगा तब तक युवाओं को स्वदेश में बने रहकर अर्थव्यवस्था में भागीदारी बनने के लिए रोके रखने को प्रेरित करना संभव नहीं। यह एक चुनौती है और पूरी तरह से सरकार के संसाधनों के भीतर भी, बशर्ते कि वास्तव में सारा जोर 'सबका साथ... सबका विकास' नारे को फलीभूत करने पर लगाया जाए।

शरीफ : प्रधानमंत्री या प्रधानभिक्षु?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ आजकल प्रधानमंत्री कम प्रधानभिक्षु बनकर देश-विदेश के चक्कर लगा रहे हैं। कुछ दिन पहले उन्हें सउदी अरब जाकर अपना भिक्षा-पात्र फैलाना पड़ा। तीन-चार दिन पहले वे अबू धाबी और दुबई आए हुए थे। संयोग की बात है कि दो-तीन दिन के लिए मैं भी दुबई और अबू धाबी में हूं। यहां के कई अरबी नेताओं से मेरी बात हुई। पाकिस्तान की दुर्दशा से वे बहुत दुखी हैं लेकिन वे पाकिस्तान पर कर्ज लादने के अलावा क्या कर सकते हैं? उन्होंने 2 बिलियन डॉलर जो पहले दे रखे थे उनके भुगतान की तिथि आगे बढ़ा दी है और संकट से लड़ने के लिए 1 बिलियन डॉलर और दे दिए हैं। शाहबाज़ की झोली को पिछले हफ्ते भरने में सउदी अरब ने भी काफी उदारता दिखाई थी। लेकिन पाकिस्तान की झोली में इतने बड़े-बड़े छेद हैं कि ये पश्चिम एशियाई राष्ट्र तो क्या उसे चीन और अमेरिका भी नहीं भर सकते। इन छेदों का कारण क्या है? इनका असली कारण है- भारत। भारत के विरूद्ध पाकिस्तान की फौज और सरकार ने इतनी नफरत कूट-कूटकर भर दी है कि उस राष्ट्र का ध्यान खुद को संभालने पर बहुत कम लग पाता है। इसी नफरत के दम पर पाकिस्तानी नेता चुनावों में अपनी गोटी गरम करते हैं। वे कश्मीर का राग अलापते रहते हैं और फौज को अपने सिर पर चढ़ाए रखते हैं। आम जनता रोटियों को तरसती रहती है लेकिन उसे भी नफरत के गुलाब जामुन कश्मीर की तश्तरी में रखकर पेश कर दिए जाते हैं। पिछले हफ्ते शाहबाज शरीफ कजाकिस्तान और संयुक्त अरब अमारात गए। वहां भी उन्होंने कश्मीर का राग अलापा। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री से बात करने की पहल की जो कि अच्छी बात है लेकिन साथ में ही यह धमकी भी दे डाली कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध हो गया तो कोई नहीं बचेगा। दोनों के पास परमाणु बम हैं। शाहबाज ने अबू धाबी के शासक से कहा कि भारत से आपके रिश्ते बहुत अच्छे हैं। आप मध्यस्थता क्यों नहीं करते? एक तरफ वे मध्यस्थता की बात करते हैं और दूसरी तरफ वे भारत से कहते हैं कि आप संयुक्तराष्ट्र संघ के प्रस्ताव के मुताबिक कश्मीर हमारे हवाले कर दो। पाकिस्तान के दो-तीन प्रधानमंत्रियों से मेरी बहुत ही मैत्रीपूर्ण बातचीत में मुझे पता चला कि उन्होंने संयुक्तराष्ट्र के उस प्रस्ताव का मूलपाठ कभी पढ़ा ही नहीं है। उन्हें यह पता ही नहीं है कि उस प्रस्ताव में कहा गया है कि पाकिस्तान पहले तथाकथित 'आज़ाद कश्मीर' को खाली करे। शाहबाज को चाहिए था कि वे आतंकवाद के विरूद्ध भी कुछ बोलें। लेकिन ऐसा लगता है कि अबू धाबी में उन्होंने जो कुछ कहा है वह यहां के शासकों को खुश करने के लिए कहा है। यह शाहबाज़ शरीफ की ही नहीं सभी पाकिस्तानी नेताओं की मजबूरी है कि जो लोग उनकी झोली में कुछ जूठन डाल देते हैं उन्हें कुछ न कुछ महत्व तो देना ही पड़ता है। आखिर में खाली भिक्षा-पात्र को भरा जाना ही है हर शर्त पर! इसीलिए दोनों नेताओं के संयुक्त वक्तव्य में शाहबाज़ के उक्त बयान का जिक्र तक नहीं है।

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

हॉकी का सूखा और क्रिकेट का रसूखा

हॉकी का विश्व कप शुरू हुआ उड़ीसा में। उड़ीसा भारत का गरीब राज्य है पर हॉकी का विश्व कप कराता है। महाराष्ट्र देश का अमीर राज्य है, यहां आईपीएल की बड़ी टीम है। यानी गरीबों का खेल हॉकी हो लिया और अमीरों का खेल क्रिकेट है। खेल भी अमीरों और गरीबों के होते हैं। अमीरों के खेल का हाल यह है कि क्रिकेटर दो मैचों में कामयाब हो जाये, तो उससे शैंपू बिकवाने वाले, बाइक बिकवाने वाले आ जाते है। हॉकी टीम के टॉप खिलाड़ियों के नाम ही न पता पब्लिक को। अभी एक सूटकेस का इश्तिहार चल रहा है। इसमें अमिताभ बच्चन बताते हैं कि किस कदर मुश्किलों ने तकलीफों ने उनका टेस्ट लिया तब जाकर वह मजबूत हुए, उस सूटकेस की तरह। क्रिकेटर मिताली राज व युवराज भी बताती हैं कि वह भी मजबूत हुईं, उस सूटकेस की तरह।

आलोक पुराणिक

उस सूटकेस की तरह अमिताभ बच्चन व क्रिकेटर मजबूत हो सकते हैं, बस हॉकी वाले मजबूत न हो सकते। हॉकी वालों को लगता है कि मजबूती की जरूरत ही न है। बिना मजबूत हुए ही हॉकी वाले खेल सकते हैं, पर क्रिकेटरों को जरूरत है सूटकेस जैसी मजबूती की।

मसले पेचीदा हैं। हॉकी की तरफ नये बच्चे नहीं जा रहे हैं, सबके सब क्रिकेट की तरफ जा रहे हैं। उनका कहना है कि हॉकी में जाकर, जीतकर भी क्या होगा। यहां वालों को न कोई सूटकेस देता, न कोल्ड ड्रिंक देता, क्रिकेटरों से बचें, तो सूटकेस हॉकी वालों को भी मिलें।

हॉकी एक जमाने में भारत और पाकिस्तान का खास गेम होता था। पाकिस्तान में भी क्रिकेट ही मचा हुआ है। भारत की आईपीएल की तर्ज पर पाकिस्तान ने पीएसएल पाकिस्तान सुपर लीग की शुरुआत कर ली। पाकिस्तान रोज लड़ता है फिर चिरौरी करता है फिर लड़ता है फिर चिरौरी करता है कि भारत और पाक के बीच हॉकी मैच भी होने चाहिए। उड़ीसा ने बड़ा दिल दिखाया है, उड़ीसा ने हॉकी को इज्जत और जगह दी है। यह अलग बात है कि सूटकेस वाले और शैंपू वाले हॉकी वालों को कुछ न दे रहे।

हाल ही में पाकिस्तान स्थित भारत मूल के तस्कर-आतंकी दाऊद इब्राहिम ने भारतीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी दी है। पाक ने कहा है कि पहले दाऊद इब्राहिम शहर-शहर उड़ा दिया करता था, अब दाऊद इब्राहिम सिर्फ एक मंत्री को धमकी दे रहा है। इसे दाऊद इब्राहिम के चाल-चलन में सुधार का सबूत माना जाना चाहिए। पाकिस्तान सुधर गया है, यह सिर्फ पाकिस्तान सरकार मानती है, पाकिस्तानी तक न मानते। पाकिस्तान में पाकिस्तानी तक रकम न भेज रहे। दिसंबर, 2022 में पाकिस्तान में विदेशों से 2.04 अरब डालर की रकम बाहर से आयी, एक साल पहले यानी 2021 दिसंबर में 2.52 अरब डालर की रकम बाहर से आयी थी। वैसे पाकिस्तानी सरकार मानती है, हमारी असली दौलत तो हाफिज सईद और दाऊद इब्राहिम जैसे आतंकी हैं, और इस दौलत में पाकिस्तान में कभी कोई कमी न है।

दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों पर सख्त कार्यवाही

डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन

आजकल चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों के प्रकाशन की बाढ़ आ गयी हैं इस विज्ञापनों के माध्यम से पढ़ी लिखी जनता के साथ निरीह जनता अनावश्यक रूप से उनके चंगुल में फंसकर धोखाधड़ी की शिकार हो रही हैं।वही आर्थिक संत्रास भी भोग रही हैं। ये विज्ञापन ड्रग्स एंड रेमेडीज एक्ट 1954 के अंतर्गत एक आपराधिक कृत्य हैं। उक्त एक्ट में 56 बीमारियों काविज्ञापन और प्रकाशन नहीं कर सकते हैं तथा उल्लंघन करने पर सजा और जुर्माने का प्रावधान हैं जिसके लिए मध्य प्रदेश शासन ने जिला कलेक्टर पुलिस अधीक्षक उप कलेक्टर और उप पुलिस अधीक्षक को अधिकृत किया गया हैं जो इन विज्ञापनों के विरुद्ध कार्यवाही कर न्यायलय में अभियोजन के लिए अधिकृत हैं परन्तु कार्याधिकता के कारण सक्षम अधिकारी कार्यवाही करने में उदासीनता बरतते हैं।

इसी प्रकार कोई भी चिकित्सक अपने नाम से अपने द्वारा शर्तियां इलाज़ से ठीक करने का विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकता। यह भारतीय चिकित्सा व्यवसायी (वृतिक आचरण और शिष्टाचार सार तथा आचार संहिता) विनियम 1882 के अंतर्गत धारा 24 का खुला उल्लंघन हैं। परन्तु सक्षम अधिकारीयों द्वारा समुचित कार्यवाही न किये जाने से जनता गुमराह होकर इन चिकित्सकों द्वारा लूटी जा रही हैं।

विज्ञापन भारतीय चिकित्सा के किसी चिकित्सक द्वारा या वैयक्तिक रूप से समाचार -पत्र में विज्ञापन द्वारा प्लेकार्ड द्वारा या परिपत्रों द्वारा या हैंड बिल द्वारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनुनय करना अनैतिक हैं। चिकित्सा व्यवसायी विज्ञापन या प्रचार के किसी भी रूप में या रीति से अपना या अपने नाम और या फोटो का उपयोग नहीं करेगा या उपयोग करने में सहायता नहीं देगा या दूसरों को उपयोग नहीं करने देगा।

बीमारियों के नाम और स्थिति जिनके इलाज़ पर चमत्कारी औषधियों का प्रचार नहीं कर सकता हैं-

अपेंडिसिटिस आर्टीरियोस क्लेरोसिस अंधापन ब्लड पोइज़निंग ब्राइटस रोग कैंसर मोतियाबिंद बहरापन। डाइबिटीज़। मष्तिष्क की बीमारियों या खराबियों यूटेरस सिस्टम की खराबी मासिक धर्म की खराबी नर्वस सिस्टम की खराबी प्रोस्टेटिक ग्रंथि की खराबी ड्रॉप्सी एपिलेप्सी स्त्री रोग बुखार फिट्स फॉर्म एंड स्ट्रक्टर ऑफ़ फीमेल बस्ट गाल ब्लैडर स्टोन किडनी स्टोन और ब्लैडर स्टोन गैंगरीन गॉइटरहृदय रोग लो या हाई ब्लड प्रेशर हाइड्रोसील हिस्टीरिया इन्फैंटाइल पैरालिसिस इनसैनिटी लेयुकोडर्मा लॉकजॉ लोकोमोटर एक्सटेसिया ल्यूपस नर्वस डेबिलिटीमोटापा स्टरलिटी इन वीमेन प्लूरिसी रूमेटिस्म रप्चर्ससेक्सुअल इम्पोटेंस स्माल पॉक्स स्ट्रेचर ऑफ़ पर्सन्स ट्राकोमा टी बी। अलसर टाइफाइड फीवर वेनेरल डिजीज एड्स अस्थमा आदि।

अब शर्तिया इलाज़ के दावे नहीं कर पाएंगे डॉक्टर

नए विधेयक में किया गया प्रावधान साइन बोर्ड में नाम और डिग्री के अलावा कुछ भी लिखने पर हो सकती हैं कार्यवाही। कोई भी डॉक्टर किसी बीमारी विशेष के इलाज़ का दावा करने वाला विज्ञापन नहीं कर सकता इसी प्रकार कोई भी दवा निर्माता इस प्रकार के विज्ञापन समाचार पत्रों पत्रिकाओं और टी वी में नहीं दे सकता।

भ्रामक विज्ञापन देने से जुड़े अपराध में पहली बार दोषी पाए जाने पर 10 लाख रुपये का जुर्माना और दो साल की जेल की सजा होगी। वहीं दुबारा या उसके बाद इसी अपराध के लिए दोषी पाए जाने पर जुर्माना 50 लाख और जेल की सजा 5 साल तक हो सकती हैं इस प्रकार भ्रामक विज्ञापन देने वालों और प्रकाशित करने वालों पर कड़ी कार्यवाही होने पर कुछ सीमा तक अंकुश लगना चाहिए। देश में लचीला कानून होने से समुचित कार्यवाही नहीं हो पाती इसके के सक्षम अधिकारीयों में रूचि का अभाव मुख्य हैं।

नगर परिषद के भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई की कड़वी दवाई कब तक आएगी....?

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

जल्द आने वाला है वह दिन जब सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा अपने सर्विस कार्यकाल से रिटायरमेंट लेंगे। सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा द्वारा तलेन में विवाह सहायता राशि घोटाला कर भ्रष्टाचार की गंगा बहाई है एवं तलेन की हमारी प्यारी बहनों की योजनाओं में भ्रष्टाचार कर विवाह सहायता राशि योजना को भी शर्मसार किया है।

तलेन से भ्रष्टाचार कर अकोदिया नगर परिषद में अपने रिटायरमेंट का रास्ता देख रहे सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा पर कार्रवाई हेतु एक पत्र भी बोड़ा नगर परिषद में फाइलों में सीएमओ रमेश चंद वर्मा का रिटायरमेंट का रास्ता देख रहा है। यदि कारवाही नहीं हुई तो शासन को लाखों रुपए का नुकसान होगा। बोड़ा नगर परिषद सीएमओ से फोन पर चर्चा होने के बाद कार्यवाही से अपना पक्ष झाड़ते नजर आए। सीएमओ रमेश चंद वर्मा भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरे होने के बाद भी फिर आवास में भ्रष्टाचार किया। अकोदिया नगर परिषद में भी उनके द्वारा भ्रष्टाचार की गणना की जाए तो सर्वप्रथम बीपीएल भ्रष्टाचार एक शासकीय सेवक का बीपीएल बनवा कर इलाज हेतु शासन की राशि को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया।

आवास योजना भ्रष्टाचार

आवास योजना भ्रष्टाचार में अकोदिया गांव के एक ही परिवार को दो परिवार आवास योजना में लाभ दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना हर गरीब तक लाभ पहुंचे यह हमारे प्रधानमंत्री का सपना था। परंतु सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा ने एक ही स्वामित्व प्रमाण पत्र पर 2 आवास आवंटित किए है एवं अपने कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी को भी आवास वितरित किए, जहां पर आज दिनांक तक आवास नहीं बनाया गया। फिर भी लाभार्थी के खाते में ढाई लाख की राशि डाल दी गई।

सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा के हाथ कानून से बड़े हैं। शाजापुर जिले के कोई भी है जो उच्च अधिकारी सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा एवं समंदर सिंह के ऊपर कार्रवाई कर सकें। इनके भ्रष्टाचार के तार इन पर कार्रवाई नहीं होने देते। आम इंसान पर कार्रवाई कराने के लिए इनके पास बहुत नियम है।

बीपीएल भ्रष्टाचार में दो-दो शपथ पत्र पर गुनाह कबूल होने के बाद भी समंदर सिंह चैहान स-सम्मान एक ही जगह अकोदिया में आज तक पदस्थ है। आज तक इनकी कुर्सी को कोई भी डगमगा नहीं पाया। शासन के नियम के अनुसार कोई भी शासकीय सेवक 3 से 4 वर्ष एक जगह पदस्थ नहीं रह सकता। परंतु समंदर सिंह चैहान अंगद के पैर की तरह अकोदिया में जमे हैं।

क्या सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा पर होगी कार्रवाई या न्याय शब्द होगा शर्मसार..? क्या शासन की जनकल्याण योजनाएं चढ़ेगी भ्रष्टाचार की भेंट या फिर अकोदिया नगर परिषद की जन कल्याण योजनाओं को मिलेगा न्याय...?

6 वर्ष 2 माह और 4 दिन में महिला आरक्षक द्वारा लगाए झूठे प्रकरण में पत्रकार हुआ दोष मुक्त

माही की गूंज, रतलाम।

ग्राम कालूखेड़ा में घटना दिनांक 10 नवंबर 2016 को थाना कालूखेड़ा पर पदस्थ महिला आरक्षक द्वारा एक रिपोर्ट धारा 354 ए, 509 आईपीसी राकेश मालवीय पत्रकार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करी कि, वह सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा कालूखेड़ा में ड्यूटी कर रही थी तभी 3 बजे सेंट्रल बैंक आफ इंडिया कालूखेड़ा से रियावन बस स्टैंड की ओर जा रही थी। वहां पर राकेश मालवीय पत्रकार आया और अश्लील कमेंट करने लगा और अश्लील इसारे करने लगा। मैंने मना किया तो राकेश कुमार पत्रकार ने कहा कि, मैं पत्रकार हूं मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। इस पर पुलिस थाना कालूखेड़ा द्वारा अपराध कायम कर अभियोग पत्र जावरा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अभियोजन ने अपने पक्ष समर्थन में 6 साक्षियों कथन करवाएं। प्रकरण में राकेश मालवीय पत्रकार कालूखेड़ा की ओर से पैरवी सफल वरिष्ठ अभिवाषक प्रकाश मेहरा, पिंकेश मेहरा और मनोहर भनोपा ने करी और साक्षियों से जीरह करी और अपने पक्ष समर्थन में न्यायालय के समक्ष तर्क श्रवण किए। राकेश मालवीय पत्रकार कालूखेड़ा के अभिभावषक के तर्कों से सहमत होकर न्यायालय जेएमएफसी अरविंद कुमार बरला द्वारा राकेश मालवीय पत्रकार कालूखेड़ा को झूठे प्रकरण से दोषमुक्त किया गया। जो कि उक्त प्रकरण का विचारण 6 साल 2 माह तक चला।

दंपती ने सल्फॉस खाकर दी जान

माही की गूंज, गरोठ। खजूरी दौड़ा में सोमवार-मंगलवार रात एक दंपती ने सल्फॉस खाकर जान दे दी। आत्महत्या करने वाला युवक एक दिन पहले ही एक माह से मायके में रह रही पत्नी को मायके से लेकर लौटा था। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। एसआई मनोज महाजन ने बताया, दस वर्ष पहले खजूरी दौड़ा निवासी दशरथ पिता नारायण सिंह (30) की शादी लालाखेड़ा थाना पगारिया निवासी मीना बाई (28) से हुई। दोनों के दांपत्य जीवन से दो संतान हुई। एक माह पहले मीना बाई मायके चली गई। इसके बाद से नहीं लौटी। रविवार ही दशरथ उसे लेकर गांव लौटा। सोमवार रात परिवार के सदस्यों सहित दोनों ने भोजन किया। इसके बाद रात 8 बजे सभी अपने अपने कमरे में सोने चले गए। रात को दशरथ के कमरे से जोर जोर से आवाज आने लगी। यह सुनकर परिजन कमरे में पहुंचे तो वहां दोनों उल्टियां कर रहे थे। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां दोनों की मौत हो गई। पीएम के बाद दोनों के शव परिजन के सुपुर्द किए। एसआई महाजन के अनुसार फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

ट्रक की टक्कर से घायल बाइक सवार मरहम पट्टी के बाद करता रहा एम्बुलेंस का इंतजार

माही की गूंज, मंदसौर।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। दुर्घटना में घायल को पिपलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से रेफर करने के पौने घंटे बाद जीरन से पहुंची एम्बुलेंस से मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। पिपलिया रेलवे ओवरब्रिज पर ट्रक ने बाइक सवार काचरिया चंद्रवास निवासी परमेश्वर धनगर को टक्कर मार दी। एक निजी कार चालक ने घायल को पिपलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को रेफर कर दिया, लेकिन एंबुलेंस नहीं थीं, इस चलते घायल पौन घंटे तक अस्पताल में कराहता रहा। बाद में जीरन से एंबुलेंस पहुंची और घायल को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया।

बता दें कि, पिपलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राम भरोसे हैं, यहां घायल को केवल महरम, पट्टी लगाकर इतिश्री कर रेफर कर दिया जाता है। वर्तमान में यहां कि एम्बुलेंस को नारायणगढ़ अटैच कर दिया है। इस कारण घायल को रेफर करने के बाद आधे से एक घंटे तक एंबुलेंस के इंतजार में पड़ा रहना पड़ता है।

अधिकारियों को अवगत कराया

ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर निशांत शर्मा ने बताया, एंबुलेंस सहित अन्य समस्याओं को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया है। शीघ्र ही समस्याओं के निराकरण कराया जाएगा।

पुलिस के हत्थे चढ़ा बाइक चोर गिरोह, चोरी की 5 बाइक बरामद

वाहन चेकिंग के दौरान वाहन चुराने वाले दो सगे भाइयों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो सगे भाइयों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई 5 बाइको को जप्त किया। पुलिस थाना ताल चैकी खारवा कला के चैकी प्रभारी अपनी टीम के साथ चपला खेड़ी मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति दिखाई दिए। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें रोककर मोटरसाइकिल के कागज के बारे में जानकारी ली तो दोनों घबरा गए और मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे। जिन्हे मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान भागने वाले भंवर लाल पिता आसाराम बागरी (36) निवासी रोहल खुर्द थाना नागदा मंडी जिला उज्जैन, वही पीछे बेटा उसका भाई राहुल बागरी के रूप में पहचान हुई। पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने एक वर्ष पूर्व कमला श्री गार्डन के सामने नागदा से मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने अन्य चोरियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने भंवरलाल के घर से चार अन्य मोटरसाइकिल भी जप्त की। आरोपियों द्वारा चोरी की गई 5 बाइकों में से दो बाइकों पर से इंजन नंबर और चेचिस नंबर भी स्क्रैच कर दिए थे। आरोपी ने पुलिस को बताया कि, गिरफ्तार किए गए आरोपी भंवरलाल के खिलाफ नागदा थाने में पूर्व में भी कई अपराधिक प्रकरण दर्ज है। वहीं आरोपी के छोटे भाई राहुल के खिलाफ भी नागदा थाने समेत नानाखेड़ा थाने में भी अपराधिक मामले दर्ज है।

बहू को जलाकर मारने वाले ससुर को आजीवन कारावास

माही की गूंज, शाजापुर।

बहू को जलाकर मारने वाले ससुर आरोपी हिम्मतसिंह पिता नत्थुलाल मेवाडा (52) निवासी बंजारी को धारा 302 भादवि मे आजीवन कारावास एवं 2 हजार रूपए के अर्थदण्ड? से दण्डित किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी सचिन रायकवार ने बताया कि, 30 मई 2020 को जश अस्पताल शुजालपुर मंडी से रीना पति आनंद मेवाडा (24) निवासी बंजारी को जली हुई अवस्था में ईलाज के लिए भर्ती कराये जाने के संबंध मे सूचना प्राप्त हुई थी। जांच के दौरान रीना की मृत्यु पूर्व कथन कार्यपालक दंडाधिकारी द्वारा लेख किए गए। ईलाज के दौरान रीना की मृत्यु दिनांक 8 जुलाई 2020 को जश अस्पताल शुजालपुर मंडी में हुई।

मृतिका ने अपने मृत्युकालिन कथन में बताया कि, उसे उसके ससुर हिम्मतसिंह ने घासलेट डालकर जला दिया है। मृतिका ने ईलाज के दौरान जश अस्पताल शुजालपुर मंडी में उक्त बाते अपनी माता एवं भाईयो को बताई थी। उक्त प्रारंभिक जांच पश्चात आरोपी के विरूद्ध थाना शुजालपुर सिटी पर असल अपराध पंजीबद्ध कर संपूर्ण अनुसंधान उपरांत सक्षम न्यायालय मे चालान प्रस्तुत किया गया।

अभिलेख पर आई साक्ष्य एवं अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुये आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। उक्त प्रकरण में अभियोजन की ओर से उपसंचालक अभियोजन शाजापुर सुश्री प्रेमलता सोलंकी के मार्गदर्शन में पैरवी संजय मोरे अति. जिला लोक अभियोजन अधिकारी शुजालपुर द्वारा की गई।

देह व्यापार में लिप्त 4 महिला 3 पुरुष अनैतिक सामग्री व नगद राशि के साथ गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम/आलोट।

आलोट पुलिस ने समीपस्थ ग्राम धरोला में देह व्यापार में लिप्त महिला के घर से 4 महिला व तीन पुरुष को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इस मकान में अवैध रूप से देह व्यापार का कारोबार किये जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। पकड़े गए आरोपियों में उज्जैन जिले की महिला और पुरुष भी है। पुलिस द्वारा महिला के घर पर दबिश दी जिसमें 4 महिला सहित तीन पुरुषों को पुलिस द्वारा रंगे हाथ पकड़ा। मकान के कमरों से अनैतिक सामान के साथ 3 टच स्क्रीन मोबाइल ओर 4 हजार 230 रुपये भी बरामद किये। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 3, 4, 5, 6, 7 अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 के तहत कार्यवाही करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया ओर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

लव मैरिजः पत्नी ने हाथ पर लास्ट डेट लिख खा लिया जहर

माही की गूंज, उज्जैन।

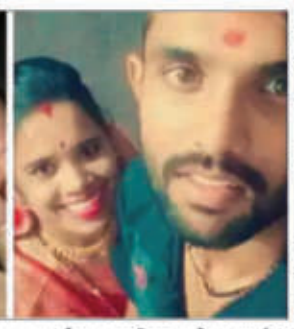

जिले में प्रेम विवाह के कुछ महीनों बाद एक विवाहिता ने हाथों पर मेहंदी लगाकर शादी की तारीख लिखी और फिर लास्ट डेट लिखकर जहर खा लिया। जहर खाने के बाद यह युवती रेलवे पटरी पर जाकर लेट गई। अच्छी बात यह रही कि जब मुंह बोले भाई ने युवती को देखा तो उसने उसे वहां से उठाकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में विवाहिता का उपचार चल रहा है। पुलिस इस पूरे मामले में जांच-पड़ताल करने में लगी हुई है।

21 वर्षीय जया यादव माधव नगर थाना क्षेत्र के गोपालपुरा की रहने वाली है। 16 जनवरी 2023 की जो तारीख उसके हाथ पर नजर आ रही है उसी तारीख को उसने जहर खा कर आत्महत्या का प्रयास किया था। जानकारी के मुताबिक, पति से अनबन के चलते विवाहिता ने जहर खाया और पटरी पर जाकर लेट गई।

आ जाओ नहीं तो मर जाऊंगी

इसके पहले उसने हाथों पर मेहंदी से शादी की तारीख अपनी हथेली पर लिखी थी। इसके साथ ही उसने अपने पति के मोबाइल पर वॉइस मैसेज भेजा था, आ जाओ नहीं तो मर जाऊंगी। मैसेज के बाद भी जब युवती का पति नहीं आया तो उसने गुस्सा होकर हाथ में मेहंदी से शादी की तारीख के नीचे ही 16 जनवरी लिख लास्ट डे लिखा और जहर खाकर आत्महत्या के लिए पटरी पर जाकर लेट गई।

पति के घर नहीं आने से थी नाराज

युवती को होश आने पर माधव नगर थाना पुलिस बयान लेने अस्पताल पहुंची। यहां जया ने बताया कि, उसने 16 मई 22 को आयुष गोयल से प्रेम विवाह किया था। पति से अनबन होने के कारण उसे फोन लगाकर और वॉइस मैसेज भेज कर बुलाया था। मैसेज पढ़ने के बाद भी पति जब घर नहीं पहुंचा तो गुस्से में आकर यह कदम उठाया। बता दें कि युवति का पति आयुष गोयल महाकाल मंदिर का कर्मचारी है।

भाई ने लगाया बहन को परेशान करने का आरोप

प्रिंस ने बताया कि, 8 महीने पहले दोनों ने लव मैरिज की है। आयुष गोयल लगातार उसकी बहन को परेशान कर रहा था। पति साथ में नहीं रहता था और मां के कहने पर खर्च भी नहीं देता था। इसलिए बहन अलग रहती थी। पति अपनी मां के कहने पर मां के साथ ही रहता है।

माधव नगर थाना के एसआई सलमान कुरैशी ने बताया कि युवती के होश में आने पर उसने बयान दर्ज कराया है। बयान में पति-पत्नी के बीच का झगड़े का मामला सामने आया है। पति को भी बुलवाया गया है, उसके बयान के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। युवती अभी खतरे से बाहर है। गुस्से में जहर खाया यह बात उसने स्वीकार किया है।

अस्पतालो को लेकर प्रशासन सख्त, छः अस्पतालों के लाइसेंस किए रद्द

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अग्रवाल

नियम विरुद्ध चल रहे अस्पतालों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया हुआ है। लगातार डील व सीएम द्वारा दी गई छूट के बावजूद जिले के छः अस्पताल कमियों को पूरा नहीं कर सके। इसके चलते सभी के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। हालांकि इनमें से दो के लाइसेंस पूर्व में ही रद्द किए थे। लाइसेंस रद्द अस्पतालों के नामों का खुलासा प्रशासन ने नहीं किया है। कार्रवाई होने की बात सीएमएचओ व कलेक्टर दोनों कर रहे हैं।

अगस्त में जबलपुर स्थित निजी अस्पताल में आग लगने की घटना के बाद सीएम शिवराजसिंह चैहान ने प्रदेशभर के निजी अस्पतालों के निरीक्षण के निर्देश दिए थे। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने भी जिले में संचालित अस्पतालों की जांच की। इसमें भवन अनुज्ञा प्रमाण-पत्र व फायर सेफ्टी, पार्किंग नहीं होने संबंधित कमियां नजर आईं।

जिले के 29 अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी किए। सभी को दस्तावेज पूर्ण करने के लिए एक माह का समय दिया। अस्पताल संचालक इस समयावधि में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के चलते भवन की व्यावसायिक अनुज्ञा भवन पूर्णता प्रमाण-पत्र नहीं दे सके।

7 नवंबर को प्रशासन ने 21 अस्पतालों के लाइसेंस निरस्त किए। दो लाइसेंस पूर्व में निरस्त किए जा चुके थे। कार्रवाई को लेकर अस्पताल संचालकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर गौतमसिंह से मिलकर दस्तावेज पूर्ण करने के लिए समय मांगा जो उन्हें दिया भी गया। इस दौरान भी दस्तावेज पूर्ण नहीं हुए।

अस्पताल संचालन के लाइसेंस लेने के लिए बने नियमों के चलते जिले सहित प्रदेशभर के अस्पताल संचालकों को आ रही परेशानी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने भी राहत प्रदान की थी। इसके तहत सरकार ने फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र की बाध्यता को 50 से कम बेड वाले अस्पतालों के लिए खत्म कर दिया था।

बावजूद जिले में संचालित 6 अस्पताल संचालक कमियां पूरी नहीं कर सके। इसके चलते सभी के लाइसेंस निरस्त किए हैं। इसमें पाटीदार आर्थोपेडिक सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, मेवाड़ हॉस्पिटल, त्रिशिका नर्सिंग होम, सिटी लाइट मल्टीस्पेशलिटी, नोबल हॉस्पिटल व मिरेकल नर्सिंग शामिल हैं।

दस्तावेज तैयार कर कलेक्टर को सौंपे हैं

मामले में डॉ. अनिल निकुम सीएमएचओ ने बताया कि, मैंने कार्रवाई कर कलेक्टर साहब को दस्तावेज सौंप दिए हैं। आगे की जानकारी वे ही आपको दे सकेंगे। मैं फिलहाल कुछ कह नहीं सकता।

जानकारी ली, सीएमएचओ ने की है कार्रवाई

वहीं छहगौतमसिंह कलेक्टर मंदसौर का कहना है कि, मैंने आज सीएमएचओ से अस्पतालों के संबंध में जानकारी प्राप्त की है इसमें 6 अस्पतालों के खिलाफ सीएमएचओ ने कार्रवाई की है। वे ही आपको नाम बता सकते है।

श्री बाड़केश्वर महादेव मंदिर बाड़कुआं में तीन दिवसीय भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ संपन्न

अंतिम दिन विधि-विधान से मंदिर के शिखर पर कलश स्थापना के साथ शिव परिवार की प्रतिमाओं की हुई प्रतिष्ठा

हवन की पूर्णाहूति पर महाआरती की गई, महाप्रसादी (भंडारे) का सैकड़ों भक्तजनों ने लिया लाभ

विजय मुहूर्त में मंदिर के शिखर पर कलश स्थापना की गई।

श्री बाड़केश्वर महादेव मंदिर, बाड़कुआं में विधि-विधान से विराजमान हुए महादेवजी एवं समस्त शिव परिवार।

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के समीपस्थ बाड़कुआं में श्री बाड़केश्वर महादेव मंदिर में 16 से 18 जनवरी तक तीन दिवसीय भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सा-आनंद एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। अंतिम दिन मुख्य रूप से दोपहर में विजय मुर्हुत में मंदिर के षिखर पर कलष स्थापना तथा समस्त षिव परिवार की प्रतिमाओं की स्थापना के साथ हवन की पूर्णाहूति पर महाआरती रखी गई। समापन पर सभी ने महाप्रसादी का लाभ लिया।

जानकारी देते हुए श्री बाड़केष्वर महादेव मंदिर समिति अध्यक्ष नाथूलाल पाटीदार एवं कोषाध्यक्ष प्रवीण सोनी ने बताया कि प्रथम दिन 16 जनवरी को शहर में शोभायात्रा के साथ मंडप प्रवेष, अग्नि पूजा, गृह प्रवेष एवं प्रतिमाओं का जलाधिवास संपन्न हुआ। 17 जनवरी, मंगलवार को स्थापित देवताओं की पूजन, यज्ञ, धान्याधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास एवं शयनाधिवास की विधि युवा ज्योतिष षिरोमणी आचार्य पं. द्विजेन्द्र व्यास के सानिध्य में बाहर से पधारे विद्वानजनों में पं. मोहन शर्मा पिपलीया नीला, मूरली जोषी उज्जैन, चन्द्रषेखर शर्मा, मनोज दवे नामली, संतोष उपाध्याय नागदा, मुकेष व्यास जावरा आदि ने संपन्न करवाई।

महाआरती एवं महाप्रसादी का हुआ भव्य आयोजन

मदिर समिति के संरक्षक मधुसूदन शर्मा एवं युवा राहुलसिंह पंवार ने बताया कि अंतिम दिन 18 जनवरी, बुधवार सुबह 9 बजे से स्थापित देवताओं की प्रातः पूजन बाद दोपहर 12.45 बजे मंदिर के षिखर पर कलष स्थापना कर हवन की पूर्णाहूति की गई। हवन में तीन दिनों तक यजमान के रूप में श्रीमती भारती राजकुमार पाटीदार, श्रीमती कल्पना प्रदीप सोलंकी एवं श्रीमती उर्मिला भंवरसिंह भूरिया ने उपस्थित रहकर संपूर्ण विधि पूर्ण की। ठीक 1 बजे हवन की पूर्णाहूति पर महाआरती का आयोजन हुआ। जिसमें यजमान परिवार द्वारा यज्ञ की पूजन, परिक्रमा आदि करते हुए इस दौरान सभी ने उत्साहपूर्वक श्री बाड़केष्वर महादेवजी के सामूहिक जयकारे भी लगाए।

इनका किया गया सम्मान

इस अवसर पर मंदिर समिति के सचिव शंभुसिंह पुरोहित ने मंदिर के निर्माण से लेकर अब तक की रूपरेखा एवं कार्यों पर संक्षिप्त प्रकाष डाला। समापन पर तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तीनों यजमान के साथ समिति अध्यक्ष नाथुलाल पाटीदार, कोषाध्यक्ष प्रवीण सोनी, सचिव एसएस पुरोहित आदि का पुष्पमालाओं से स्वागत सामाजिक महासंघ जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर, वरिष्ठ समाजसेवी अषोक शर्मा एवं अजय रामावत, हरिष शाह लालाभाई आदि ने किया। वहीं तीन दिनों तक सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं में विषेष सहयोग देने वाले सिविल डिफेंस के युवा वालेंटियरों का भी सम्मान होमगार्ड विभाग के अधिकारी हिम्मतसिंह राठौर, नेतृत्वकर्ता पं. द्विजेन्द्र व्यास एवं विषेष सहयोगी अजय रामावत के आतिथ्य में सभी युवाओं का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

अंतिम दिन हवन की पूर्णाहूति हुई।

इन्होंने भी की सहभागिता

तीन दिवसीय कार्यक्रम में श्री उमापति महादेव मंदिर महिला मंडल की समस्त मातृ शक्तियों, श्री मनकामेष्वर महादेव मंदिर समिति से जुड़े पदाधिकारी-सदस्यगण, सामाजिक महासंघ मेन एवं महिला इकाई के पदाधिकारी-सदस्य, अभा क्षत्रिय महासंघ की मातृ शक्तियां एवं बड़ी संख्या में शहर के भक्तजन भी उपस्थित रहे। सभी ने भंडारा प्रसादी का लाभ लिया। भंडारे में शहर के साथ आसपास के ग्रामीण अंचलों के महिला-पुरूषों, युवा एवं बच्चों ने भी बड़ी संख्या में शामिल होकर आनंद लिया। समापन पर गायत्री परिवार बसंत कॉलोनी की ओर से सभी को निःषुल्क साहित्य वितरण किया गया। मंदिर समिति ने तीन दिवसीय आयोजन को सफल बनाने में सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएफओ ने कार्यशाला आयोजित कर तेंदूपत्ता संग्राहकों को खरीदने व बेचने की दी जानकारी

माही की गूंज, बरझर।

शासन द्वारा जब से पैसा एक्ट लागू किया तब से अब ग्राम पंचायतें अपना महत्व समझ लगी है। जिसके तहत ग्राम पंचायत महेंद्रा में तेंदूपत्ता संग्रहण करने को लेकर प्रस्ताव पारित कर सम्बंधित विभाग को प्रति भेजी, जिसके बाद? विभाग के अधिकारी भी कार्यशाला आयोजित कर तेंदूपत्ता संग्राहकों को खरीदने से लेकर बेचने तक की समझाइश दी जा रही है। आलीराजपुर जिले के डीएफओ मंयक सिंह गुजर ने महेंद्रा ग्राम पंचायत प्रांगण में एक कार्यशाला का आयोजन कर सभी तेंदूपत्ता संग्राहकों को कहा कि, जिले में महेंद्रा ग्राम पंचायत के अलावा जिले मे 11 ग्राम पंचायते ओर है जो अब खुद तेंदूपत्ता संग्रहण करेंगी। अगले वर्ष 50 पत्तों के बंडल पर 3 रूपये में विभाग ने खरिदा था जो 4.50 पैसे में व्यापारीयों ने खरिदा था। पत्ता ऊंचे दाम पर जाने से बाकी पैसे आपके बैंक खाते में बौनस के रूप में जमा

हुई हैं। अब ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है जिसके चलते इस वर्ष पैसा एक्ट में अब तेंदूपत्ता आपकी समेती को खरिदा ना है और व्यापारी को भी आपको देना है। इसमें यदी कोई परेशानी आती है तो विभाग के कर्मचारी अधिकारी आपकी पूरी मदद करेंगे। परन्तु तेंदूपत्ता खरीदते समय पत्ते अच्छे होने चाहिए ताकी व्यापारी दुसरी बार पत्ता आप से ही खरीदें। साथ ही कहा की जिन तेंदूपत्ता संग्राहकों को अगले साल का बोनस नहीं मिला है उसे जल्द उनके खाते में डाल दिया जायेगा।

इस अवसर पर अलीराजपुर एसडीओ अंतरसिंह ओहरिया, जोबट एसडीओ श्रीमति मनीषा पोरवाल , रेंजर संदीप रावत ने भी पैसा एक्ट के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहकों को अच्छे से समझाइश देकर हर सम्भव तेंदूपत्ता खरीदते समय व व्यापारी को बेचते समय पुरा सहयोग देने की बात कही। इस अवसर पर सरपंच श्रीमति सुकली सोमला बामनिया, जनपत उपाध्यक्ष मडी दिलीप परमार, वन विभाग के कर्मचारी किशन बारिया, राजेश वसूनिया, धनसिह रावत, राकेश निनामा, बसन्त चैहान, भीम सिंह कनेश, दिवान कटारा, मंत्री राजेश सोलंकी, डिमांड सहायक पारसिग बामनिया आदि मोजूद थे।

पुलिस ने चोरी हुई मोटर सायकल के अतिरिक्त तीन अन्य मोटर सायकल को किया जप्त

माही की गूंज, नानपुर।

9 जनवरी के रात्री करीब 10 बजे टंकी ग्राउण्ड नानपुर से पेशन प्रो. मोटर सायकल को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मोटर सायकल को चोरी कर ले गए थे। जिस पर थाना नानपुर पर अप.क्र. 6/23 धारा 379 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस टीम के द्वारा बुधवार को वाहन चेकिंग के दोरान मुखबीर सूचना पर आरोपी आशीष पिता रेमला कलेश जाती भीलाला (19) नि. तिती लिमडी फलिया व बादल पिता मेहताब भिण्डे (19) नि. ग्राम फाटा हाल मु. नानपुर से मोटर सायकल क्रमांक एमपी. 69 एमए 2180 पेशन प्रो काले रंग कि किमती करीबन 30 हजार रुपये की तथा तथा शिलशिला क्र. धारा 41(1)(4)/102 जा.फौ, 379 भादवि मे मोटर सायकल अपाचे कंपनी कि काले रंग की किमती करीबन 70 हजार रुपये, मोटर सायकल अपाचे कपंनी की किमती करीबन 70 हजार रुपये व एक मोटर सायकल काले रंग कि पल्सर कंपनी की जीजे. 38 सी 0938 किमती करीबन 90 हजार रुपये कुल चार मोटर सायकल जप्त कर आरोपीयो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किए गए।

इस सराहनिय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिह द्वारा नानपुर थाने के थाना प्रभारी उनि भुपेन्द्र खरतिया, सउनि. मंजीतसिह , प्र.आर. 154 संजय मण्डलोई, प्र.आर. 09 मनोज वर्मा, आर. 74 गजेन्द्र, आर. 452 विनोद, आर. 08 राकेश, आर. 131 राकेश, आर. 412 छत्रु को उत्सावर्धन हैतु पृथक से पुरुस्कृत करने की घोषणा की गई।

राधेश्याम के आवेदन को व्हाट्सअप पोस्ट कर कलेक्टर ने तत्काल मांगी जानकारी तहसीलदार ने तुरंत जांच के लिए मौके पर भेजा

माही की गूंज, खरगोन।

जनसुनवाई में भगवानपुरा में बलखड़ बुजुर्ग के राधेश्याम उपस्थित हुए। उन्होंने कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्या रखी। राधेश्याम वर्ष 2022 में 4 बार जनसुनवाई में प्रस्तुत हुए लेकिन पूरी तरह निराकरण नहीं हो पाया। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने वीसी के माध्यम भगवानपुरा के तहसीलदार मुकेश मचार से कहा कि, सालभर लगता है क्या किसी शिकायत के निराकरण में। व्हाट्सअप चेक करो और शाम तक जानकारी प्रस्तुत करें। राधेश्याम कि समस्या का निराकरण करें। नियमानुसार नहीं हो पाए तो मना करें बेवजह किसी भी नागरिक को कार्यालय के चक्कर न लगवाए।

6 भाई-बहनों के विवाद के कारण निराकरण नहीं हुआ

तहसीलदार 1984 में हुए बंटवारे अनुसार ही कार्यवाही कर सीमांकन कर नक्शा बटांकन किया जाएगा। शिकायत के बाद तहसीलदार ने आरआई रेखा मंडलोई और पटवारी वसीम खान सहित 4 पटवारियों का जांच दल बनाया है। दल मौके पर पहुँचे और परिवार के अन्य 5 सदस्यों 3 बहन व 2 भाइयों के विभाग से निराकरण नहीं होने की स्थिति में पुनः एकत्रित किया। लेकिन सभी परिवार के सदस्य नहीं आने से समस्या है। तहसीलदार श्री मचार ने कहा कि 1984 में हुए बंटवारे के अनुसार ही कार्यवाही की जाएगी। हालाँकि आरआई ने पेशी के लिए अन्य भाइयों को एक बार पुनः सुनवाई का अवसर देंगे। अब उपस्थित नहीं हुए तो भी समस्या का निराकरण किया जाएगा।

बड़गांव में आनन्द उत्सव के अंतर्गत खेलो का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

राज्य आनंद संस्थान भोपाल से प्राप्त आदेशानुसार बड़वानी जिले के कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में जिले में 14 जनवरी से 28 जनवरी तक ग्राम पंचायत स्तर पर आनंद उत्सव का आयोजन किया जाना है। इसी संदर्भ में बुधवार को ग्राम पंचायत बड़गांव में ग्राम पंचायत के सरपंच मालू डाबर एवं सचिव ओमप्रकाश शर्मा की उपस्थिति में ग्रामवासियों महिलाओं-पुरुषों और बच्चों की खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें 8 से 14 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं की विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गई एवं 15 से 50 आयु वर्ग के महिला-पुरुषों की भी खेल गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें प्रमुख रुप से दौड़ प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी में महिलाओं ने विशेष रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर आनंद विभाग के जिला मास्टर ट्रेनर अनिल जोशी की उपस्थिति में माध्यमिक विद्यालय बड़गांव के शिक्षक सर्वश्री अशफाक शेख, मनोज केसरी, राजेंद्र चैहान, भीमसिंह अलावा, सुश्री दुर्गा चैहान, रेखा बामनिया एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और रोजगार सहायक शर्मिला के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं ने भी भाग लिया।

घर में घूस कर चोरी करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

माही की गूंज, खरगोन।

एसपी ने जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं की पतारसी एवं अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। वरिष्ठ अधिकारियो से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन धर्मवीर सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन मनीष खत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राकेश मोहन शुक्ला के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठीत की गई थी। जिसमें थाना प्रभारी बरुड निरीक्षक लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में घर मे घुस कर चोरी करने वाले को गिरफ्तार किया। 8 जनवरी को फरियादी विजय पिता पंढरी कुमावत निवासी उमरखली ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपार्ट में थाना बरुड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उमरखली में 8 व 9 जनवरी की दरम्यानी रात में किसी अज्ञात व्यक्त द्वारा घर में घुस कर रखे हुये 48000 रुपये चुरा लिए हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 11/2023 धारा 457, 380 भादवि का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया।

थाना प्रभारी बरुड लक्ष्मणसिंह लौवंशी को चोरी की घटना को ट्रेस करने के लिए निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी लौवशी के नेतृत्व मे टीम का गठन किया गया। मुखबिर से सूचना मिली की संदेही मनीष पिता राधेश्याम बिडारे निवासी उमरखली का घटना दिनांक के बाद से अधिक पैसे खर्च कर रहा है। संदेही मनीष को पुछताछ के लिए थाना लाया गया। जिससे हिकमत अमली से पुछताछ करते उसने जुर्म करना कबुल किया। वहीं आरोपी ने गिरवी रखी स्कुटी एवं मोबाईल को भी चुराये हुये रुपये से छुडाना बताया जिनसे भी रुपये वापस लिये गये। आरोपी से चोरी किये हुये नगदी 48 बाजार रुपये को बरामद किये गये। प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग खरगोन राकेश मोहन शुक्ला के मार्गदर्शन एवं प्रभारी लक्ष्मणसिहं लौवंशी, प्रआर 327 राजेन्द्र, प्रआर 713 लालसिहं गावंड, आर. 894 भुपेन्द्र, आर. 935 राजु का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह अंतर्गत मनाया कौशल विकास दिवस

माही की गूंज, बड़वानी।

नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी नितेश कुमार सोनी के मार्गदर्शन मे जिले मे राष्ट्रीय युवा सप्ताह अंतर्गत तय दिवस अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी के अंतर्गत बुधवार को कौशल विकास दिवस का आयोजन ब्लॉक पाटी में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सावन चैहान द्वारा स्थानीय आईटीआई केंद्र में आयोजित किया।

आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डीएस सापलिया ने उपस्थितजनो को सम्बोधित करते हुए कहा कि, कौशल विकास आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल बनाने में मदद करता है। यह समस्या सुलझाने के कौशल और सहयोग विकसित करता है। यह छात्रों को स्वतंत्र विचारक बनने में मदद करता है और उन्हें अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

वही प्रशिक्षण अधिकारी चैनसिंग अलावे ने प्रशिक्षणार्थियो को अपने कौशल में निखार लाते हुए मेक इन इंडिया अभियान का हिस्सा बनते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान संस्था के सर्वश्री पारस चैहान, अमित गर्ग, राजेश सोलंकी, सीमा बिडारे, दीपक गोटवाल सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग की हालत दयनीय, चार वर्ष पूर्व सड़क मार्ग पर किया था डामरीकरण

विभागीय अधिकारियों व ठेकेदार की अनदेखी के चलते सड़क मार्ग खस्ताहाल

जगह-जगह इस तरह उखड़ रहा सड़क मार्ग।

कट्ठीवाड़ा फाटक सड़क मार्ग पर रपट का दोनों ओर हिस्सा बीच सड़क में धस गया।

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग की हालत वर्तमान में दयनीय हो चुकी है। करीब चार वर्ष पुर्व इस सड़क मार्ग पर पेंचवर्क व डामरीकरण किया था, तब से लेकर आज तक इस प्रधान मंत्री सड़क मार्ग की ओर विभागीय अधिकारियों की अनदेखी व ठेकेदार द्वारा देख-रेख न करने के कारण सड़क मार्ग खस्ताहाल हो गई है। उक्त प्रधानमंत्री सड़क मार्ग जिसकी लम्बाई 3.197 किलोमीटर है। इस सड़क मार्ग बरसात के मौसम से पहले से ही खस्ताहाल हो चुका है। इस सड़क मार्ग पर दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन की आवाजाही दिन भर चली रहती है। सड़क मार्ग के खस्ताहाल होने से वाहन चालकों में डर भय बना रहता है। सड़क मार्ग का डामरीकरण उखड़ चुका है। विभागीय अधिकारियों की अनदेखी व सम्बन्ध ठेकेदार की लापरवाही से इस सड़क मार्ग की हालात खस्ता है। इससे पहले भी उक्त सड़क मार्ग की उखड़ चुकी थी जिस पर माही की गूंज प्रतिनिधि व बरझर गांव के निवासी फिरोज खान ने सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत की थी तब जाकर सड़क मार्ग पर कुछ पैचवर्क किया था। वह भी घटिया स्तर का होने से बरसात के मौसम में उखड़ कर गड्ढे हो गये। साथ ही इसी सड़क मार्ग में झोराफलीया ईजीएस स्कूल के सामने से 200 मीटर का आरसीसी निर्माण सड़क में किया, वह भी दब चूका तो कहीं टूट चुका है। परन्तु प्रधानमंत्री सड़क निर्माण विभागीय अधिकारियों ने सड़क का निर्माण के बाद उस सड़क मार्ग के ठेकेदार द्वारा रखरखाव का दायित्व का निर्वाह किया जा रहा है या नहीं, इस ओर कभी ध्यान नही दिया। न ही कभी उस साईड के सब इंजीनियर ने आकर नहीं देखा। इसलिए ही पुरी सड़क आज टूट कर जर्जर हो चूकी है। यहां तक ही साइन बोर्ड, मीटर व किलोमीटर के अते पते भी नही है।

बड़गांव में सड़क पर मवेशियों का कब्जा, हादसा होने का अंदेशा।

बरझर से भावरा से जुड़ी सड़क मार्ग के भी यही हाल

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग बरझर से कट्ठीवाड़ा फाटक तक 8 किलोमीटर की हालात खस्ता है। यहां बरसात के मौसम के बाद से अधिकांश डामरीकरण की दोनों साईट पट्टी उखड़ रही है। साथ ही जगह-जगह डामरीकरण पर गड्ढे हो रहे हैं। साथ ही इस सड़क मार्ग पर बरसात के पानी निकासी के लिए छोटे-छोटे पाइप लगा रखे थे जो पाइप बीच सड़क में बैठ जाने से गतिरोध टैपर का रूप ले चुके है। ऐसे करीब छः जगहों पर है जो वाहन चालकों को लिए कभी भी खतरनाक हो सकतें है?। इस सड़क मार्ग पर दो बड़ी रपटें बनी हुई है जहां बीचों बीच दोनों ओर से बीच का हिस्सा बैठ जाने से वाहन चालकों को स्टेरिंग पर अचानक धक्का लगता है। साथ ही इस सड़क मार्ग पर 100 मीटर के बोर्ड भी अंकित नहीं है। इसी सड़क मार्ग के बड़गांव गांव मे सड़क मार्ग पर मकान है वहां पर ठीक सड़क मार्ग पर मवेशी बांध रखें है और वही पर मकानों के कचरों का ढेर कर के रखा गया है। इसी सड़क मार्ग पर जगह-जगह सड़क मार्ग पर ये सब देखा जा सकता है। जिसके चलते कभी भी वाहन चालकों के साथ हादसा हो सकता है। परन्तु विभागीय अधिकारियों की अनदेखी व सम्बन्ध ठेकेदार की लापरवाही के चलते वाहन चालक परेशान हैं।

कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित हुई जिला स्तरीय नवांकुर सेक्टर प्रभारियों की बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

म.प्र. जन अभियान परिषद जिला अलीराजपुर द्वारा जिले के प्रत्येक विकासखण्ड के जिला स्तरीय नवांकुर सेक्टर प्रभारियों की बैठक कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं जिला समन्वयक दीपक जगताप द्वारा कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा प्रत्येक सेक्टर प्रभारी से किए गए कार्यों की जानकारी ली गई तथा सेक्टर प्रभारी द्वारा अपने क्षेत्र में प्रवास करते हुए ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति को सक्रिय करने के निर्देश दिए। प्रत्येक केन्द्र व राजय शासन के शासकीय योजनाओ का लाभ लेने वाले की सूची बनाकर उनसे सम्पर्क करने के निर्देश दिए। साथ ही एक फरवरी से 15 फरवरी तक आयोजित होने वाली ग्राम विकास यात्रा की तैयारी पर चर्चा की गई। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अलीराजपुर अभिषेक चैधरी द्वारा कृषि रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कलेक्टर द्वारा ग्राम कृषि रथ के माध्यम से पेसा एक्ट के प्रचार-प्रसार हेतु म.प्र. जन अभियान परिषद के वालेंटियर्स द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड के प्रत्येक ग्राम में जनजागरूकता करने का आग्रह किया। तत्पश्चात जिला समन्वयक द्वारा त्रैमासिक नवाकुर समितियों की बैठक में त्रैमासिक प्रतिवेदन के साथ प्रस्फुटन मासिक बैठक, जल संरक्षण, उर्जा संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ शिक्षा, कृषि को लाभ का धंधा बनाना, विषय पर जानकारी दी। बैठक में समस्त विकासखण्ड समन्वयक रामसिंह निगवाल, नगरिया सस्तिया, रीना मिश्रा, लेखापाल अर्जुन सिंह भिन्डे, ऑपरेटर विमल वर्मा, भृत्य प्रकाश मण्डलोई आदि उपस्थित थे।

ठंड में गरीबों को बांटे कम्बल

माही की गूंज, बरझर।

चन्द्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) उपाध्यक्ष नारायण अरोड़ा, तेरसीग बामनिया, महेंद्रा कोठार ने ठंड से बचने के लिए बरझर कस्बे की दलित बस्ती व आसपास के अन्य लोगों को भी कम्बल वितरित किए। साथ ही करीब दो सो कम्बल बांटकर कर हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया। साथ ही आजाद नगर भाबरा में भी कम्बल का वितरण किया गया। गत वर्ष भी इन्होंने कम्बल का वितरण किया था। चं.शे. आजाद नगर उपाध्यक्ष ने आजाद नगर भाबरा में मरीजों के लिए एम्बूलैंस भी रखी है ताकी मरीज़ अस्पताल समय पर पहुंच सके।

आपसी रंजिश में की युवक की हत्या

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ थाना क्षेत्र के ग्राम आम्बी में एक आदिवासी युवक की आपसी रंजिश में हत्या की घटना को अंजाम दे दिया। थाना आम्बुआ में सूचना प्राप्त होने पर प्रकरण कायम कर घटना को जांच में लिया जा कर विवेचना की जा रही है। आरोपी फरार है जिसकी खोजबीन जारी है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार थाना क्षेत्र से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र आम्बी में 16 जनवरी की सुबह 10:45 बजे जब सरदार पिता सुरपाल (35) भील निवासी आम्बी खेत से घर की ओर आ रहा था तभी 5 लोगों ने उसे घेर लिया तथा पालिया से प्राण घाटक वार किया, जिस कारण उसकी घटनास्थल पर मृत्यु हो गई। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल दलबल सहित घटनास्थल पर पहुंचे तथा घटना स्थल का मौका मुआयना कर पंचनामा बनाकर शव को शव परीक्षण हेतु अलीराजपुर भेजा गया। आम्बुआ थाने पर अपराध क्रमांक 16/2023, धारा 302/34 के तहत नामजद आरोपी वीरू पिता रतन सिंह, दीपक पिता रतन सिंह, हुनिया पिता भुवान सिंह, तेरसिंह पिता रतिया तथा गजेंद्र पिता मोटला निवासी आम्बी के विरुद्ध प्रकरण कायम किया गया। मृतक का शव परीक्षण उपरांत पुलिस बल की उपस्थिति में अंतिम संस्कार कराया गया। घटना आपसी रंजिश का परिणाम बताई जा रही है। जिसकी विवेचना की जा रही है तथा अति शीघ्र फरार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। घटना से क्षेत्र में तनाव व्याप्त है।

स्टॉप डैम में पानी सुखा, नदी कंकर पत्थर का मैदान हुई

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ की विभाज्य रेखा कही जाने वाली हथनी नदी पर वर्षों पूर्व बने स्टॉप डेम में विगत कुछ वर्षों से पानी एकत्र नहीं हो रहा है तथा असमय नदी सूख जाती है। स्टॉप डेम के गहरीकरण तथा गेट ठीक करने की मांग लगातार की जाती रही है। इस बार गेटों की मरम्मत कराई गई मगर सही मरम्मत नहीं होने से इस बार भी पानी बह गया।

आम्बुआ तथा बोरझाड़ के मध्य हथनी नदी पर विकासखंड उदयगढ़ द्वारा सिंचाई विभाग द्वारा 25-26 वर्ष पूर्व एक स्टॉप डेम बनाया गया था जो कि आज जीर्ण शीर्ण हालत में पहुंच गया है। स्टॉप डेम के पुराने गेट भी जीर्ण शीर्ण हो रहे थे, जिन्हें पंचायत द्वारा हजारों खर्च कर दुरस्त कराऐ गए मगर फिर भी उन में सुराख रह गए। गेट लगने के बाद मछली का शिकार करने वाले रात को लोहे के गेटों के नट ढीले कर गेट ऊंचे कर देते हैं, जिस कारण भी पानी बह जाता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ तथा स्टॉप डेम खाली पड़ा होकर हथनी नदी कंकर पत्थर का मैदान नजर आने लगी। स्टॉप डेम के गहरीकरण तथा जीर्ण शीर्ण हो रही दीवारों आदि की मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि यह और अधिक समय तक जल संग्रह कर सके।

सहकारी संस्था में पर्याप्त यूरिया खाद, कृषकों को खाते में दी जा रही

माही की गूंज, आम्बुआ।

इन दिनों क्षेत्र में रबी की फसल खेतों में लहराने की तैयारी में है। हालांकि पानी की कमी के कारण इस बार गेहूं का रकबा घटा है मगर जितना बोया गया है उन्हें यूरिया आदि खाद की जरूरत है। जिसकी पूर्ति सहकारी संस्था द्वारा की जा रही है। यह खाद उन कृषकों को दी जा रही है जो संस्था के सदस्य हैं।

गूंज संवाददाता को आदिमजाति सहकारी संस्था आम्बुआ प्रबंधक डीएल भयडिया ने बताया कि, क्षेत्र में रबी फसलें जिनमें गेहूं प्रमुख फसल है के लिए रासायनिक खाद की व्यवस्था संस्था द्वारा की जा रही है। गेहूं की बुवाई के समय डीएपी तथा उगने के बाद यूरिया खाद की व्यवस्था की गई है। अभी हाल ही में 25 टन यूरिया खाद मगाई जाकर गोदाम में रखी गई है, ताकि संस्था के नियमित सदस्यों (ग्राहकों) जो की संस्था से ऋण के रूप में खाद बीज तथा नकदी प्राप्त करते हैं उन्हें यह यूरिया खाद की बोरी दी जा रही है, ताकि वे फसलों को खाद देकर पैदावार बढ़ा सकें। हमारी संस्था द्वारा अभी तक कृषकों को खाद की परेशानी से बचाए रखा है तथा भविष्य के लिए पर्याप्त व्यवस्था करके रखी गई है।

कलेक्ट्रेट में परिवार ने किया आत्मदाह का प्रयास

ग्वालियर। जिला कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जनसुनवाई में पहुंचे एक परिवार के सदस्यों ने सामूहिक आत्महत्या का प्रयास किया। यह परिवार अपना मकान तोड़े जाने और जमीन के बदले उसी स्थान पर दूसरी जमीन न दिए जाने से नाराज था। जिसके बाद परिवार के 7 सदस्यों द्वारा जनसुनवाई कक्ष में खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया गया। जनसुनवाई में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने आनन-फानन में आत्मदाह का प्रयास कर रहे लोगों के हाथ से मिट्टी का तेल छीन कर उनका प्रयास विफल किया।

परेशान परिवार का कहना था कि, कलेक्ट्रेट के पास जिला पंचायत के नवीन भवन के लिए प्रशासन द्वारा गोपाल जाटव और किशोर जाटव का मकान तोड़ा गया था और मकान तोड़ते समय वादा किया गया था कि पास में ही दूसरी भूमि उन्हें मुहैया कराई जाएगी। लेकिन उन्हें जो पट्टा दिया गया है वह केदारपुर में दिया गया है, जहां कि यह परिवार जाना नहीं चाहता है। ऐसे में परिवार के मुखिया गोपाल जाटव के साथ किशोर जाटव, गीता देवी, ज्योति, रेनू और हेमंत ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया।

वही प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि, इनके मकान शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बने हुए थे और मकान तोड़े जाने के बाद पूरा परिवार जिला पंचायत के बेसमेंट में स्थाई रूप से रह रहा है। इन्हें केदारपुर में पट्टे भी मुहैया कराए गए हैं। लेकिन यह लोग वहां जाना नहीं चाहते हैं। इसी कारण से इन्होंने यह हंगामा किया है। मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में है और जो आरोप लगाए गए पूरी तरह निराधार हैं।

थाना प्रभारी ने उत्कृष्ट विद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत दी समझाईश

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

यातायात व पुलिस विभाग की संयुक्त पहल पर सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत 11 जनवरी से 17 जनवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा हैं। अभियान के तहत थाना प्रभारी शिवराम जमरा के नेतृत्व में एसआई जयराम वसुनिया, एएसआई फारूख खान, प्रधान आरक्षक महेश द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में अध्ययनत विद्यार्थियों को ट्राफिक नियमों के बारे में जानकारी दी।

छात्र-छात्राओं को समझाईश देते हुए टीआई शिवराम जमरा ने बताया कि, ऐसे बच्चे जो नाबालिग हैं तथा जिनके पास ड्राईविंग लाईसेंस नहीं हैं वे वाहन नहीं चलाए। घर से स्कूल आने जाने में गाड़ियों के अंदर बैठकर आएं, लटककर नहीं आए-जाएं। विद्यालय में अनुशासन का पालन करें व किसी प्रकार का व्यसन नहीं करें। सभी व्यक्तिगत साफ-सफाई के साथ-साथ अनुशासन का ध्यान रखे। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य निलेश शाह, विद्यालय शिक्षक शाहीद शेख, हेमेन्द्र गुप्ता, मनोज सोनी एवं विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बैंक कैशियर को गबन की मिली सजा, उम्रकैद और 50 लाख रुपये का जुर्माना

इंदौर।

जिले में सेशन कोर्ट ने एक बैंक कैशियर को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 50 लाख रुपए के गबन से जुड़े इस मामले में कैशियर पर 50 लाख का जुर्माना भी अदालत ने लगाया है। 62 वर्ष के नारायण सिंह मकवाना को भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत दोषी करार दिया गया है। एडिशनल सेशल जज उत्तम कुमार दार्वी ने यह फैसला सुनाया। इसके साथ ही अदालत ने इस बात पर भी गौर किया कि बैंक के पैसे का गबन पब्लिक के खिलाफ किया गया एक अपराध है। अदालत में मकवाना के वकील ने अदालत से गुहार लगाई कि, मकवाना को कम से कम सजा दी जाए लेकिन कोर्ट ने इस पर गौर नहीं किया। अदालत ने अपराध की स्थिति और उसके प्रकृति को ध्यान में रखते हुए इस बात पर गौर किया कि, आरोपी को कम से कम सजा मिलने पर समाज में गलत संदेश जाएगा। जज ने मकवाना को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। अदालत ने यह भी कहा कि, इस केस में अपील की समय सीमा खत्म होने के बाद जुर्माने की राशि बैंक को दी जा सकती है।

उक्त केस 20 जून 2018 का है। उस वक्त इंदौर प्रीमियर कॉपरेटिव बैंक के ऑडिट में इस बात का पता चला था कि, हातोद ब्रांच से 50 लाख रुपये गायब हैं। ऑडिटर को इस मामले में साजिश की आशंका हुई थी। इसके बाद एक वरिष्ठ अधिकारी की गिरफ्तारी हुई थी।

तांत्रिक को दिया था पैसा...

इस मामले में ऑडिटरों की एक टीम ने हातोद पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत केस दर्ज हुआ था। मैनेजर लखन सिंह, असिस्टेंट मैनेजर पप्पू सिंह और कैशियर मकवाना पर यह केस दर्ज किया गया था। इन तीनों को गिरफ्तार किया गया था और फिर जांच-पड़ताल शुरू हुई थी। मैनेजर और असिस्टेंट मैनेजर को जमानत मिल गई थी लेकिन मकवाना उसी वक्त से जेल में है। ट्रायल के दौरान मकवाना ने बताया कि, उसने गबन की गई राशि का कुछ हिस्सा एक तांत्रिक को दिया था जिसने उस पैसे को डबल करने का वादा किया था।

वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन कर मनाया स्पेशल डे, 26 लोगों को लगाया टीका

माही की गूंज, आम्बुआ।

अलीराजपुर जिले के उदयगढ़ ब्लॉक के ग्राम बोरझाड़ हाई स्कूल बोरझाड़ जेएसआई के सहयोग से एम-राइट प्रोग्राम के अंतर्गत एमपीवीएचए संस्था के द्वारा 16 जनवरी 2021 को हमारे देश मे कोविड वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई थी, इस उपलक्ष्य में स्पेशल डे मनाया गया। साथ ही वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन कर 26 लोगो का वैक्सीनेशन करवाया। इस प्रोग्राम में ग्राम पंचयात सरपंच कु. प्रीति कटारिया, प्रिंसिपल सरदार बघेल द्वारा सरस्वती वंदना कर प्रोग्राम की शुरूआत की गई एवं सरपंच व प्रचार्य के द्वारा एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल विभाग से दशम सिंह चैहान, इंदिरा जोशी, तंजीम शेख स्वास्थ्य विभाग से प्रियंका डावर सीएचओ, सशी अखाड़िया एएनएम व आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व एमपीवीएचए संस्था से बीसी रुखसार शेख, सीसी भारत डावर, प्रांजल शर्मा उपस्थित रहे। प्रोग्राम में के अंत मे सरपंच प्रीति कटारिया, प्रिंसिपल सरदार बघेल के द्वारा संस्था का आभार व्यक्त किया व कार्य की प्रशंसा की गई।

न्यायालय को गुमराह, शासन-प्रशासन के निमाइंदों की भेंट पूजा कर स्थान्तरित कर्मचारी जमे हुए है जनपद में

कारण बताओ नोटिस बने वसुली के माध्यम, जिला कलेक्टर से लेकर जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

विकास खण्ड के जनपद कार्यालय में भ्रष्टाचार का ऐसा बोल बाला है कि, जो भी नया अधिकारी आता है वो इसके साथ हो जाता है और कानून, न्यायालय ,शासन, प्रशासन को अपनी पपोती समझ कर काम कर रहे हैं। मामला लगभग दो वर्ष पूर्व जनपद पेटलावद में पदस्थ दो कर्मचारियों का है जो स्थान्तरित होने के बाद भी येन-केन प्रकारेण यही जमे हुए हैं। मामला जब सुर्खियो में आया जब नए जिला पंचायत सीओ ने इसकी सूद ली और 9 जनवरी 2023 को कारण बताओ नोटिस जनपत सीईओ पेटलावद को जारी कर दोनों में एक कर्मचारी कृपाराम जाटव को रिलीव नही करने का जवाब 07 दिन के भीतर चाहा गया, जबकि दूसरा कर्मचारी रामलाल कंवर प्रशासन को गुमराह कर यहां जमा हुआ है। पिछले अंक में गूंज के माध्यम से पूरे मामले का खुलासा किया गया था, नए जिला सीओ के नोटिस से उम्मीद जगी थी कि, दो वर्षों से भेंट पूजा कर मनचाही जगह से स्थान्तरित स्थान पर भेज कर सरकारी आदेश का पालन किया जाएगा। नए जनपद सीईओ राजेश दीक्षित की कार्यप्रणाली भी अब साफ नजर आ रही थी लेकिन थोड़े ही समय मे सब एक झाड़ के पंछी बन कर भ्रष्टाचार और सेटिंग के दलदल में झलांग लगा कर अपनी जेब गर्म करने वाले निकले। गूंज द्वारा प्राथमिकता से उठाए गए मुद्दे के बाद उम्मीद थी कि, जिला कलेक्टर इस मामले में हस्तक्षेप कर शासन को चुनोती दे रहे स्थान्तरित कार्मचारीयो को उनके मूल स्थान पर भेजा जाएगा पर सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार इस मामले में कारण बताओ नोटिस एक मात्र वसूली का साधन था जो जिले ओर जनपद स्तर पर आए नए अधिकारीयो के संज्ञान में आते ही इसे सरकारी तंत्र के माध्यम से केश कर लिया गया है। मामला कागजो में दब जाता अगर कारण बताओ नोटिस बहार नही आता। बताया जा रहा है नोटिस के बाद कर्मचारियों पर स्थान्तरण का दबाव बना कर वसुली की गई और उसके आधार पर जनपद सीईओ द्वारा कारण बताओ नोटिस का गोलमोल जवाब देकर मामले को दबा दिया गया। स्थान्तरित कार्मचारी अपने सहयोगी ओर अधिनस्त कर्मचारियों के बीच खुल कर अधिकारीयो की भेंट पूजा करने की बात करते नजर जा रहे और वो जिला कलेक्टर तक लिफाफा देने की बाते कर भ्रष्टाचार की पुष्टि कर रहे हैं।

16 अगस्त 2021 को जारी हुआ स्थान्तरण का आदेश

गूंज को जनपद पेटलावद में पदस्थ दोनों कर्मचारियों के स्थान्तरित होने का आदेश मिला है जो जिला पंचायत कार्यालय से 16 अगस्त 2021 को जारी किया गया था और विधानसभा क्षेत्र के दूसरे विकास खण्ड रामा जनपद भेजा गया था जो पेटलावद से ज्यादा दूरी पर नही होने के साथ पेटलावद विधानसभा का ही हिस्सा है, लेकिन दोनों कर्मचारियों की दुकान पेटलावद जनपद में ऐसी जमी हुई है कि, यहां से नई जगह जाकर दुकान जमाने की बजाए रिश्वत का रिचार्ज करवा कर यही जमे है, हालांकि पेटलावद विकास खण्ड में ये रिवाज है कि, यहां जनपद सहित कई विभागों में पदस्थ कार्मचारीयो ने पूरा जीवन एक ही स्थान पर नोकरी कर निकाल दिया। बताया जा रहा है कि, पहले बिना किसी नोटिस के स्थान्तरित कर्मचारियों से साठ-गांठ की कोशिश की गई, बिना स्टे वाले ने भेंट पूजा कर दी लेकिन स्टे वाले ने न्यायालय की आड़ लेकर अधिकारी को तवज्जु नही दी, इसलिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिसके बाद मामला लेन-देन कर निपट गया।

03 जनवरी 2023 को जारी कारण बताओ नोटिस जो नए अधिकारीयो के कमाई का जरिया बना।

स्थान्तरण का आदेश दिनांक 16 अगस्त 2021 का जिसका पालन आज तक नही हुआ।

स्थान्तरण के 6 माह बाद कृपाराम जाटव द्वारा न्यायालय से लिया गया स्टे जिसका निराकरण आज तक नही हुआ।

जाटव ने न्यायालय को किया गुमराह

इधर रामलाल कंवर सेटिंग के दम पर तो दूसरा कार्मचारी न्यायालय को गुमराह कर जनपद पेटलावद को मलाई खा रहा है। कृपाराम जाटव ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर और याचिका में 16 अगस्त 2021 को पारित आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता कृपाराम जाटव की ओर से न्यायालय में बताया गया कि उसका पुत्र पेटलावद में 11वीं कक्षा में पढ़ता है और उसकी बेटी भी पेटलावद में बीएससी की पढ़ाई करती है याचिकाकर्ता के बच्चों के अध्ययन को प्रभावित करेगा।

आज तक याचिकाकर्ता को आदेश के अनुसार कार्यमुक्त नहीं किया गया है, मतलब 16 अगस्त 2021 को जारी आदेश का पालन याचिका लगने की दिनांक 18 फरवरी 2022 तक स्थान्तरित कार्मचारी कंवर को सेटिंग कर कार्यमुक्त नही किया गया, दूसरी ओर स्थान्तरित कंवर के स्थान पर अन्य कर्मचारी के पदस्थ होने के आदेश जारी नही किए गए जिसको आधार बना स्टे हासिल किया गया। लगभग एक साल का समय बीत जाने के बाद भी स्टे का निराकरण नही हुआ, जबकि स्टे में बताए गए मूल कारण बच्चों की पढ़ाई का सत्र तक खत्म होकर दूसरा सत्र शुरू हो गया। मिली जानकारी अनुसार कृपाराम जाटव जो बच्चो की पढ़ाई के कारण उनको अकेला नही छोड़ पा रहा था अब अपने बच्चों को पढ़ने के लिए अकेले इंदौर भेज चुका है।

जिला कलेक्टर सहित जिला सीओ, जनपद सीईओ की भूमिका संदिग्ध

पूरे मामले को देखा जाए तो जिला कलेक्टर सहित जिम्मेदार जिला सीओ और जनपद सीईओ की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है, जो न्यायालय में अब तक मामूली स्टे खारिज नही करवा पाए, दूसरी ओर इस पद पर अन्य कर्मचारी को पदस्थ करने के आदेश जारी नही किए गए न ही जनपद सीईओ द्वारा कर्मचारियों को स्टे से पूर्व और स्टे नही होने के बाद भी रिलीव नही किया गया। स्थान्तरित कार्मचारीयो को संरक्षण देकर अपनी जेब गर्म कर रहे हैं। क्योंकि जनपद कार्यालय के गलियारों में कलेक्टर से लेकर दूसरे अधिकारीयो से लेन-देन की चर्चा है, वही कार्मचारी अपने खर्चे की वसूली अधिकारीयो की दलाली कर ग्राम पंचायतों ओर निर्माण कार्यो में कमीशन लेकर वसूल रहे होंगे तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नही होगी।

जिले में आदिवासियों के बीच दरार डालते संघ, संगठन और राजनीतिक दल

आदिवासी सभ्यता और संस्कृति पर मंडराता सबसे बड़ा खतरा धर्मांतरण या राजनीति...?

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में इन दिनों हर तरह से मुद्दा बना हुआ है आदिवासी समाज। चूंकि जिला आदिवासी बाहुल क्षेत्र है तो हर कोई इस जिले व आदिवासी समाज से फायदा उठाना चाहता है। राजनीतिक दल हो, कोई संघ हो या कोई संगठन या फिर धार्मिक संस्थाएं जिले के आदिवासियों के बीच जूतम पैजार करवाने पर तुले हुए है। जिले में इन दिनों आदिवासी समाज में जो स्थितियां बनती जा रही है वह कुछ ऐसी है कि, आदिवासी समाज ही आदिवासी समाज का विरोध करता नजर आ रहा है। असल में जिले में वर्तमान स्थिति में आदिवासी समाज लगभग तीन गुटों में बटा नजर आ रहा है। पहला गुट जो है वह हिंदूवादी है तो दूसरा गुट वह है जो धर्मांतरित होकर ईसाई धर्म अपना चुका है। हालांकि आदिवासी समाज का धर्मांतरित हुआ यह तबका अपने आपको आदिवासी ही कहता है। धर्मांतरित होने की कोई प्रशासनिक व कागजी प्रक्रिया अब तक इस तबके ने नहीं अपनाई है और ना ही सार्वजनिक तौर पर वह अपने आपको ईसाई मानता है। प्रशासनिक रिकार्ड में भी यह आदिवासी ही है। इसके अलावा एक तीसरा गुट भी जिले में उभर रहा है वह अंबेडकर वादी है, जिसे किसी धर्म से कोई लेना देना नहीं है। ये बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को ही अपना भगवान मानते है। धर्मांतरित हुए आदिवासी तबके और अंबेडकरवादी तबके में शिक्षा का स्तर काफी अच्छा देखा जा सकता है।

जिले में आदिवासी समाज के बीच हुए इस विभाजन का मुख्य कारण राजनीति है। राजनीतिक दलों ने जिले में आदिवासी समाज की परिभाषा ही बदल कर रख दी है। राजनीतिक दलों के आरोप प्रत्यारोपों से यह बात भी स्पष्ट होती दिखाई पड़ती है। राजनीतिक दलों ने इस जिले में इस कदर नफरत का बीज बोया है कि, इसके परिणाम भविष्य में आदिवासी समाज और संस्कृति के लिए ही घातक साबित होंगे। राजनीतिक दलों की परिभाषा के अनुसार जो आदिवासियों का हिन्दुवादी तबका है वह भाजपा का है और सिर्फ वही हिंदू है। इसके उलट जो धर्मांतरित तबका है वह कांग्रेस का है। आदिवासियों का जो तीसरा तबका है वह अंबेडकरवादी होकर अपने खुद के दम पर है, और इसका अपना एक अलग संगठन है। हालांकि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में इस तबके को कांग्रेस की ही बी टीम माना जाता रहा है।

इन सारे हालातों के बीच अगर किसी को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है तो वह है आदिवासी समाज। राजनीतिक दखल अंदाजी के कारण प्रशासनिक स्तर पर भी स्थितियां बहुत ही खराब नजर आ रही है। आदिवासी समाज के बीच उत्पन्न होने वाली इस फूट फूटव्वल में प्रशासन पडना ही नहीं चाहता और ना ही इसके निराकरण की ओर प्रशासन किसी तरह की कोई पहल करता दिखाई पड़ रहा है। नतीजा यह है कि धर्म के नाम पर आदिवासियों को एक दूसरे के आमने-सामने किया जा रहा है। आदिवासियों का एक तबका खुलेआम सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है तो दूसरा तबका अंदरखाने अपने कामों को अंजाम दे रहा है। यही वह कारण है जो जिले की फिजा को भविष्य में बिगाड़ सकता है। इसके उदाहरण पिछले कुछ वर्षों से देखने को मिल रहे है। ईसाई मिशनरी के खिलाफ हिंदूवादी संगठनों द्वारा छेड़ी गई जंग अब आदिवासी समाज के ही दो गुटों के बीच एक दूसरे के खिलाफ होती नजर आ रही है। पिछले कुछ सालों में जिले में ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके है जब एक ही समाज के दो तबके आमने-सामने नजर आए है। अब वर्तमान में यह स्थिति और भयावह होती दिखाई पड़ रही है। राजनीतिक दल इसका दमदारी से समर्थन और विरोध करते दिखाई पड़ रहे है।

जिले में हिंदूवादी संगठन लगातार धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर प्रशासन और सरकार से शिकायत करते नजर आ रहे है, तो धर्मांतरित हुआ आदिवासी तबका भी हिंदू संगठनों का पुरजोर मुकाबला करता दिखाई पड़ता है। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल इसका फायदा उठाते नजर आ रहे है। भाजपा समर्थित हिंदूवादी संगठन धर्मांतरण का विरोध करते हुए लगातार धर्मांतरित आदिवासियों का विरोध कर चर्चों पर ताले जडने का काम कर रहे है। तो कांग्रेस धर्मांतरण के ही मुद्दे पर भाजपा का विरोध करती नजर आ रही है। पिछले दिनों विहिप द्वारा धर्मांतरण को लेकर सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत की गई थी। जिसकी जांच के बाद विहिप का यह दावा प्रशासन ने सीरे से खारिज कर दिया था। जिसके बाद हिंदूवादी संगठनों ने कल्याणपुरा क्षेत्र के ग्राम मुंडत में मंगलवार को हंगामा किया और वहां बने चर्च का घेराव कर चर्च को सील कर तोडने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर इसे खुद तोडने की धमकी भी दी गई। प्रशासन और पुलिस ने समझाकर हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं को वहां से हटाया। फिलहाल प्रार्थना स्थल पर ताला लगा दिया गया है। यह सारा मामला चार दिन पहले यहां दो लोगों के खिलाफ अवैध धर्मांतरण को लेकर मामला दर्ज होने के बाद गर्माया। दोनों लोगों पर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हुआ है। हिंदूवादी संगठन दो साल से अवैध धर्मांतरण को लेकर विरोध कर रहे है। इस दौरान कई बड़े आंदोलन भी किए गए। यह दावा भी किया गया कि, सभी चर्च और प्रार्थना स्थल अवैध है। वहीं पिछले दिनों झाबुआ एसडीएम ने हिंदू संगठनों के एक दावे को खारिज कर दिया है। प्रशासन ने शिकायत के निर्णय में एक भी चर्च को शिकायत के अनुरूप नहीं माना है।

ग्राम मुंडत में फिर से हिंदू संगठनों द्वारा हंगामा किया गया। अब इस मामले पर प्रशासन क्या कदम उठाएगा यह तो भविष्य के गर्त में है लेकिन फिलहाल स्थिति वही आदिवासियों के खिलाफ आदिवासियों वाली आ गई है। धर्मांतरण को लेकर गर्मा रहे इस मुद्दे पर भाजपा संगठन के कई नेताओं ने अंदर खाने हिंदूवादी संगठनों को समर्थन देते हुए बयानबाजी भी की है। इस सारे मामले का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने भी इसे भुनाया है। बुधवार को कांग्रेस के धरना प्रदर्शन और रैली कार्यक्रम में विधायक कांतिलाल भूरिया के बेटे और प्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने भी मंच से इस मुद्दे को भुनाने की कोशिश की है। इसके पहले मंगलवार को कांग्रेस द्वारा पत्रकार वार्ता में भी इस मुद्दे को उठाया गया। विक्रांत भूरिया ने धरना प्रदर्शन के दौरान मंच से सीधे तौर पर भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि, किसी भी धर्म के लोगों को अगर सताया गया तो कांग्रेस पुर जोर तरीके से इसका विरोध करेगी। उन्होने भाजपा द्वारा जिले में धार्मिक स्थलों, चर्चों और प्रार्थना स्थलों को क्षति पहुंचाने की बात भी कही।

कुल मिलाकर बात इतनी सी है कि, यह साल चुनावी साल है और हर कोई इसे धर्म के नाम पर भुनाना चाहता है। लगभग 9-10 माह के बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने है और इसी को लेकर जिले में जुतम पैजार चल रही है। जो भी हो लेकिन यह तय है कि, राजनीतिक स्वार्थ के चलते आदिवासियों को आदिवासियों के खिलाफ ही भड़काया जा रहा है। सवाल यह भी उठता है कि, इन हालातों में आदिवासी सभ्यता और संस्कृति पर मंडराता सबसे बड़ा खतरा क्या है, धर्मांतरण या राजनीति....?

मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय श्री यशवंत घोड़ावत की कल नवीं पुण्यतिथि पर पत्रकारों का होगा महासम्मेलन

माही की गूंज, झाबुआ।

झाबुआ जिले की पत्रकारिता के सशक्त हस्ताक्षर मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय श्री यशवंत घोड़ावत की नवीं पुण्यतिथि के अवसर पर जिला पत्रकार संघ झाबुआ की इकाई पत्रकार संघ पारा द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं पत्रकारों के महासम्मेलन का आयोजन पारा में 20 जनवरी को किया जाएगा। जिला पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, आयोजन समिति के डॉ. अनिल श्रीवास्तव, शैलेंद्र राठौर ने बताया कि, आयोजन में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव सुरेश शर्मा, एयूजे महिला प्रकोष्ठ की संयोजक श्रीमती आभा निगम, साहित्यकार घनश्यामसिंह भाटी, झाबुआ जिला कलेक्टर श्रीमती रजनीसिंह, पुलिस अधीक्षक झाबुआ अगम जैन व सहायक आयुक्त गणेश भाबर अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

जिला पत्रकार संघ के महासचिव अक्षय भट्ट व संरक्षक मनोज चतुर्वेदी, हरिशंकर पंवार, ठाकुर निर्भयसिंह, संजय भटेवरा ने बताया कि, आयोजन में स्वर्गीय श्री घोड़ावत जी को श्रद्धांजलि देने के साथ वर्तमान दौर की पत्रकारिता की दिशा पर विमर्श होगा। इसके साथ ही सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता सम्मान जो मरणोपरांत आजीवन पत्रकारिता करने वाले पत्रकार के परिजनों को दिया जाएगा। इसके साथ ही आजीवन प्रखर पर पत्रकारिता व उदयमान पत्रकारिता पुरस्कार भी होगा। क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करने के साथ कोविड-19 के दौर में पत्रकारिता करते हुए दिवंगत हुए साथियों का स्मरण किया जाएगा। कार्यक्रम 20 जनवरी शुक्रवार को प्रात साढ़े 10 बजे से शासकीय बालक विद्यालय राजगढ़ रोड पारा में आयोजित होगा।

कवियों ने किया शानदार काव्य पाठ, देर रात तक जमे रहे श्रोता

पत्रकार संघ व ग्राम मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सातवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्पन्न

माही की गूंज, रंभापुर/मेघनगर।

सोमवार को ग्राम रंभापुर में पत्रकार संघ रंभापुर व ग्राम मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में सातवें अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है उक्त कवि सम्मेलन की शुरुआत 9 वर्ष पूर्व पत्रकार संघ व जिले के कलमकारों के भीष्म पितामह स्व. यशवंत जी घोड़ावत के आतिथ्य में शुरू हुआ था तब से उक्त आयोजन पत्रकार संघ संभापुर द्वारा कोरोना काल वर्ष को छोड अविराम जारी है। रात्रिकालीन संपन्न कवि सम्मेलन में संयोजक पंकज रांका, भुपेंद्र बरमडलिया व अभय जैन के अथक मेहनत से देश के विभिन्न प्रान्तों से आएं कवियों ने कविता पाठ में देशभक्ति, ओज श्रृंगार व हास ठहाके से श्रोताओं में साहित्य की बरसात की। आयोजन में अतिथि थाना प्रभारी टीएस डाबर, बीएमओ डाक्टर विनोद नायक, वरिष्ठ भाजपा वनवासी नेता श्यामा ताहेड, सरपंच रमीला गुमान पारंगी, डाक्टर बसंत सिंह खतेडिया, चैकी प्रभारी रमेश कोली की उपस्थित थे। आयोजन में करीब पन्द्रह मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। भूरू भाई पठान व उर्स कमेंटी की और से निःशुल्क चाय का वितरण किया।

रजनिसिंह के गीतों पर झूमे श्रोता, तों निसार पठान ने किया ऊर्जा का संचार

कवि सम्मेलन में शारदे वंदना सहित श्रृंगार की कवियित्री रजनी सिंह अवनि दिल्ली ने मुक्तकों व गीतों से युवाओं की तालियां पाई। रजनी ने कहा न राधा हूं न मीरा हूं इसे स्वीकार करतीं हूमगर हर रात मेरे मोहन तेरा दिदार करतीं हूं। मेरी आंखों की भाषा ही मेरे मन की भी भाषा हैं, कभी फूरसत में पढना, यही मनुहार करती हूं। निसार पठान रमभापुरी ने कहा मेरे वतन से बढ़कर जमी कहीं नहीं है, मेरे गांव से अच्छी मिट्टी कहीं नहीं है। पठान ने बेशर्म रंग पर अभिनेत्री दिपिका पादुकोण की जमकर लताड़ लगाई तो गौ-माता कविता व सम्मेद शिखर को पर्यटन करने का फैसला स्विकार नहीं कविता से बहुत तालियों व पुष्प माला का प्रतिसाद पाया।

व्यंग व हास्य के दिखे तेवर

मुकेश गौतम मुंबई लाफ्टर फेम ने हास्य व व्यंग के तेवर दिखाए व दर्शन की कविता नदी व सागर की स्थति बया की। संचालन गोविंद राठी अकोदिया मंडी ने कहा चुंबन वह है जो वनवास जातें कौशल्या ने श्रीराम से लिया था। चुंबन वह हैं जो सावित्री ने सत्यवान से लिया था, अंतिम वक्त देश का जवान देश की माटी को चुमता है। आपने सियासत व नेताओं को व्यंग में लपेटा। ग्वालियर के अमित चितवन, झालावाड़ के राजेश लोटपोट व उदयपुर के प्रकाश नागोरी ने भी बेहतर काव्य पाठ किया। मुंबई की ज्योति त्रिपाठी ने ओजस्वी कविता से खूब तालियां बटोरी। वीर रस की कवयित्री ज्योति त्रिपाठी ने कहा माही की गूंज परिवार ने जो पेन डायरी दी इससे मुझे बचपन की यादें ताजा हो गयी मेरे पिता कवि सम्मेलन में सुनने जाने से पूर्व हमे डायरी देते थे, कहते थे अच्छी चीज नोट कर आना वही से कविता के संस्कार है।

कवियों को उपहार भेंट कर किया सम्मानित

कवि सम्मेलन में पिटोल से भुपेंद्र नायक पत्रकार, झाबुआ से साहित्यकार एमएल फूलपगारे, बामनिया से पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष राजेश सोनी, जिला पत्रकार संघ सरंक्षक व संपादक संजय भटेवरा, राकेश गेहलोत, पीपरखूटा महंत दमाराम दास जी महाराज, मेघनगर से पत्रकार मनीष गिरधाणी, थांदला से गौसेवा संघ के जिलाध्यक्ष पार्षद राजूभाई धानक, मांगीलाल नायक, वरिष्ठ समाजसेवी रमेश मेरावत, रामसिह मेरावत, सेवाराम भाई आदि उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में समिति के डाक्टर हितेंद्र खतेडिया, दशरथ सिंह कड्डा, सुनील डाबी सहित विश्वास जोशी, समीर पठान, रविन्द्र बरमडलिया, मुकेश कटारा, प्रवीण कडोता, प्रहलाद नायक आदि का सहयोग सराहनीय रहा। प्रारंभिक संचालन निलेश भानपुरिया ने किया, आभार अभय जैन ने माना।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422